You Tube

RNI No:- DELHIN/2023/86499 **DCP Licensing Number:** F.2 (P-2) Press/2023

आज का सुविचार

कोशिश हमें अंतिम क्षण तक करनी चाहिए जीवन में सफलता मिले या ना मिले परंतु तजुर्बा तो मिलेगा ही।

🔢 हार्ट अटैक: मौत मामलों ने डराना शुरू कर दिया है

ार्ति चीन का आक्रमण और कांग्रेस

🚺🔏 इस गुफा में छिपा है कलयुग का अंत का राज और चारों धाम...

सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा : हॉर्न का अधिक उपयोग न करें: सड़क सुरक्षा पर हॉर्न के प्रभाव

ड़क पर यात्रा करते समय हॉर्न बजाना एक ड़क पर यात्रा करत समय हान बजाना ब सामान्य व्यवहार है, लेकिन अत्यधिक हॉर्न बजाने से न केवल ध्विन प्रदुषण बढ़ता है, बल्कि यह सड़क सुरक्षा पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। आइए जानें कि हॉर्न बजाने के इन दुष्प्रभावों से हम और हमारे समाज को क्या-क्या नुकसान हो सकता है।

1.ध्वनिप्रदुषण

अत्यधिक हॉर्न बजाने से ध्वनि प्रदूषण में वृद्धि होती है। यह न केवल आसपास के लोगों के लिए असुविधाजनक होता है, बल्कि यह श्रवण शक्ति को भी प्रभावित कर सकता है। उच्च ध्वनि स्तर के कारण सिरदर्द, तनाव और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

2. एकाग्रता में कमी

हॉर्न की तेज आवाज ड्राइवरों और राहगीरों की एकाग्रता को भंग करती है। इससे सड़क पर दर्घटनाओं की संभावना बढ जाती है। डाइवर का ध्यान बंटने से वह आवश्यक निर्णय लेने में चूक कर सकता है, जो दुर्घटनाओं का कारण बन सकता

3. अस्थिरता और आक्रामकता

लगातार हॉर्न बजाने से सड़क पर तनाव और आक्रामकता बढ़ सकती है। यह देखा गया है कि हॉर्न की आवाज से लोग जल्दी गुस्सा हो जाते हैं, जिससे सड़क पर झगड़े और असुरक्षा का माहौल



बनता है।

4.गलत संदेश

अत्यधिक हॉर्न बजाने से यह संदेश भी जाता है कि सड़क पर अनुशासन की कमी है। इससे नए ्डाइवर और युवा यह समझ सकते हैं कि हॉर्न बजाना एक सामान्य और आवश्यक व्यवहार है, जिससे सडक पर अव्यवस्था और अनियंत्रित यातायात की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

5.पर्यावरणपरप्रभाव

हॉर्न की अधिकता से ध्वनि प्रदूषण के साथ-साथ वायु प्रदूषण भी बढ़ता है । हालांकि यह सीधा संबंध नहीं है, लेकिन जब ड्राइवर अक्सर हॉर्न बजाने के लिए बार-बार ब्रेक और एक्सेलेरेटर का उपयोग करते हैं, तो ईंधन की खपत बढ़ती है और वायु प्रदूषण भी बढ़ता है।

सिविल अनुशासनः ड्राइवरों को जागरूक करना चाहिए कि वे केवल आपात स्थितियों में ही हॉर्न का उपयोग करें।

सख्त नियम और कानूनः सरकार को हॉर्न बजाने के नियमों को सख्ती से लागू करना चाहिए और उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाना

शिक्षा और जागरूकता: ट्रैफिक पलिस और अन्य संस्थानों द्वारा नियमित रूप से जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए ताकि लोग हॉर्न के दुष्प्रभावों को समझ सकें।

इस प्रकार, अत्यधिक हॉर्न बजाने से बचना न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए बल्कि सड़क सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। हमें एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में सड़क पर शांति और अनुशासन बनाए रखने के लिए योगदान देना चाहिए।

डॉ अंकुर शरण, राष्ट्रीय मुख्य परिवहन एवं योजना अधिकारी रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन (रजि.) roadsafetysquad@gmail.com

मनचाहे ढाबों पर नहीं रोक सकेंगे रोडवेज बस, चालक-परिचालक को मिले ये निर्देश



रोडवेज बसों के चालक और परिचालक अपनी मर्जी से मनचाहे ढाबों पर बसों को रोक देते हैं। जहां यात्रियों से खाद्य पदार्थों का मनमाना शुल्क वसूला जाता है। इसे देखते हुए परिवहन निगम ने निर्देश दिए हैं कि मनचाहे ढाबे पर बस रोकी तो चालक-परिचालकों पर कार्रवाई होगी।

आगरा। आगरा परिवहन निगम की बसों को चालक-परिचालक मनचाहे ढाबे पर रोक देते हैं। अब ऐसे चालक-परिचालक के खिलाफ परिवहन निगम कार्रवाई करेगा। क्षेत्रीय प्रबंधक ने प्रवर्तन टीम को ऐसी बसों की लिस्ट बनाने के निर्देश दिए हैं। परिवहन निगम ने प्रत्येक मार्ग पर ढाबे अधिकृत किए हैं। यहां चालक-परिचालक के साथ यात्री भी भोजन करते हैं। अनुबंधित ढाबा स्वामी परिवहन निगम को इसकी एवज में शुल्क अदा करता है। आरोप है कि अधिकांश चालक अपनी सेटिंग वाले ढाबों पर बस रोकते हैं। यहां ढाबा स्वामी मनमाने शुल्क पर यात्रियों को खाद्य पदार्थ देते हैं। चंकि बस लंबी दरी वाली होती है और अन्य किसी स्थान पर रुकती नहीं तो यात्रियों को मजबूरन महंगे दामों पर खाद्य पदार्थ खरीदना पड़ता है।

लगातार मिल रही शिकायतों के बाद मुख्यालय ने क्षेत्रीय प्रबंधक को पत्र भेजकर ऐसे बस चालक-परिचालक के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक बीपी अग्रवाल ने बताया कि परिवहन निगम के अधिकृत ढाबों पर ही बस रोकने के निर्देश हैं। ऐसा न करने वालों पर कार्रवाई होगी।

ढाबा स्वामी से मिलता है कमीशन परिवहन निगम के अधिकारियों का कहना है कि चालक-परिचालक जिन ढाबों पर बसों को रोकते हैं, वहां पर उनको कमीशन मिलता है। अनुबंधित ढाबे पर निगम की ओर से तय रेट के हिसाब से यात्रियों को भोजन व अन्य खाद्य पदार्थ बेचे जाते हैं। यहां उन्हें स्वयं के खाने का भुगतान भी करना पड़ता है।

320 करोड़ की लागत से बनेगा 9.847 किमी लंबा चंपावत बाईपास

परिवहन विशेष न्यूज

चंपावत। चारधाम परियोजना के अंतर्गत टनकपुर से पिथौरागढ़ तक निर्मित सड़क पर प्रस्तावित तीन बाईपास के निर्माण के लिए ओवरसाइट कमेटी के अध्यक्ष और सदस्यों ने बाईपास का स्थलीय निरीक्षण किया। परियोजना के अंतर्गत अन्य 126 किमी सडक बन गई है। चंपावत. लोहाघाट और पिथौरागढ़ में समरेखण सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार ओवरसाइट कमेटी से अनुमित के बाद ही इन बाईपासों का निर्माण हो पाएगा। चंपावत का बाईपास 320 करोड़ की लागत से बनेगा जो 9.847 किमी लंबा होगा। शुक्रवार को गठित समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एके सीकरी, डॉ. एन. बाला, एसके गोयल और डीके शर्मा की टीम चंपावत पहुंची। टीम ने जिला प्रशासन, सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक कर बाईपास निर्माण के संबंध में समीक्षा की और जिला मुख्यालय में बनने वाले बाईपास का शक्तिपुर बुंगा क्षेत्र में स्थलीय निरीक्षण भी किया। डीएम नवनीत पांडे ने बताया कि वर्तमान में नगर के मध्य से सड़क होने के कारण अक्सर जाम की स्थित रहने के साथ ही अन्य दिक्कतों का सामना सभी को करना पड़ता है।

इसी मार्ग से चीन सीमा क्षेत्र तक सेना, अर्धसैन्य बल सहित उस क्षेत्र के वाहनों का आगमन और बड़े वाहन चलते हैं। साथ ही आदि कैलाश यात्रा के संचालन के साथ ही

पर्यटकों की आवाजाही भी लगातार बढ़ने से चंपावत में जाम की समस्या बढ़ रही है। इसके लिए बाईपास का निर्माण होना जरूरी है।

बैठक में राजमार्ग मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय के मख्य अभियंता डीके शर्मा ने बाईपास के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चंपावत का बाईपास 320 करोड़ की लागत से बनेगा जो 9.847 किमी लंबा होगा। इस दौरान एसपी अजय गणपित, राष्ट्रीय राजमार्ग के अधीक्षण अभियंता अरुण कुमार पांडेय,अधिशासी अभियंता आशुतोष सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

प्रस्तावित बाईपास के समर्थन में आए जनप्रतिनिधि और ग्रामीण

चंपावत । जिला मख्यालय में प्रस्तावित बाईपास के समर्थन को लेकर कई गांवों के जनप्रतिनिधि और ग्रामीण आगे आए हैं। जिपं सदस्य प्रतिनिधि मनमोहन बोहरा के नेतृत्व में इंदुवर जोशी, मनोज शर्मा, मनोज जोशी, पीयूष जोशी, गिरीश राम, प्रवीण कुमार, सुनील कुमार, महेंद्र राम, किशोर कुमार आदि प्रस्तावित बाईपास के निरीक्षण के लिए आए ओवरसाइट कमेटी के सदस्यों से मिलने पहंचे लेकिन विलंब होने के कारण उन्होंने डीएम के समक्ष बाईपास के समर्थन में अपना पक्ष रखा। ग्रामीणों का कहना था कि प्रस्तावित बाईपास कई गांवों को जोड़ने के लिए अत्यंत महत्वपर्ण है।

रात में वाहन न रोकें और न ही जारी करें कोई चालान', गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस को निर्देश

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम जिले में रात के समय ट्रैफिक के सुचारू रूप से चलने को सुनिश्चित करने के लिए, गुरुग्राम के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ट्रैफिक ने कथित तौर पर ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को निर्देश जारी किए हैं कि वे रात में किसी भी वाहन को न रोकें और न ही कोई चालान जारी करें।

गरुग्राम।जिले में रात के समय ट्रैफिक के सुचारू रूप से चलने को सुनिश्चित करने के लिए, गुरुग्राम के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ट्रैफिक ने कथित तौर पर ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को निर्देश जारी किए हैं कि वे रात में किसी भी वाहन को न रोकें और न ही कोई चालान जारी करें।समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, डीसीपी ट्रैफिक द्वारा जारी पत्र में ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को रात में किसी भी वाहन को रोकने से सख्ती से मना किया गया है। यह कदम जाहिरा तौर पर गुरुग्राम भर में ट्रैफिक

पुलिस कर्मियों द्वारा वाहनों की बड़े पैमाने पर की जा रही बेतरतीब चेकिंग के बारे में यात्रियों से मिली शिकायतों के बाद उठाया गया है। हालांकि, यह साफ नहीं है कि ट्रैफिक अधिकारियों से अब क्या उम्मीद की जाती है कि वे ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन की जांच करें और संभवतः उन्हें रोकें, जिनमें तेज रफ्तार और सिग्नल जंपिंग से लेकर शराब पीकर गाड़ी चलाना भी शामिल है। एएनआई के अनुसार, 28 मई को डीसीपी ट्रैफिक

वीरेंद्रविजद्वारा लिखी गई चिट्ठी में साफ तौर पर नएनिर्देशों का जिक्र किया गया है। चिट्ठी में लिखा है, ''ट्रैफिक निरीक्षकों को उनके अधीन नियुक्त सभी कर्मचारियों को यह निर्देश देने का आदेश दिया जाता है कि रात में किसी भी वाहन को रोका न जाए और कोई चालान जारी न किया जाए।" चिट्ठी में आगे कहा गया है, "यदि मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार चालक को चालान जारी करना बहुत जरूरी हो, तो उस स्थिति में उस वाहन का चालान संबंधित राजपत्रित



अधिकारी/अधोहस्ताक्षरकर्ता को सचित करने और अनुमति हासिल करने के बाद ही नियमों के अनुसार जारी किया जाना चाहिए। चिट्ठी में इस बात को भी रेखांकित किया गया है कि यदि कोई ट्रैफिक पुलिस कर्मी निर्देशों का पालन करने में नाकाम रहता है, तो उसे कार्रवाई का सामना करना होगा। पत्र में लिखा है, ₹आदेशों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। लापरवाही और ढिलाई के मामले में, संबंधित ट्रैफिक पुलिस अधिकारी के खिलाफ तत्काल प्रभाव से नियमों के अनुसार सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी।"

पत्र में इन नए निर्देशों को लागू करने की जरूरत को भी बताया गया है। कहा गया है, "यह अधोहस्ताक्षरकर्ता के ध्यान में आया है कि रात में तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मी आम लोगों के वाहनों को अनावश्यक रूप से रोक रहे हैं और उन्हें परेशान कर रहे हैं। और अनावश्यक रूप से वाहनों के लिए चालान भी जारी कर रहे हैं।" इसके बजाय, यहां ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के लिए निर्देश हैं कि वे ऐसी भूमिका निभाएं जिससे वाहनों का सचारू प्रवाह बना रहे। चिट्ठी में कहा गया है, "रात में तैनात ट्रैफिक कर्मियों को आम लोगों और डाइवरों को मार्गदर्शन और मदद करके और उन्हें उनके गंतव्य तक ले जाने के लिए सुरक्षित मार्गों की व्यवस्था करके। और सड़क दुर्घटना होने की स्थिति में घायल व्यक्तियों को तुरंत नजदीकी ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराना चाहिए। और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को तुरंत मुख्य सड़क से हटा दिया जाना चाहिए और यातायात को सुचारू रूप से चलने दिया जाना

दुनिया की पहली रेगिस्तानी लूप लाइन कहा, जाने ?



परिवहन विशेष न्यूज

चीन ने रेगिस्तान में एक ऐसी रेलवे लाइन का निर्माण किया है जो दुनिया को हैरत में डाल देने वाली है. रेगिस्तान में बनी चीन की यह लाइन हॉटन से रुओकियांग के बीच 825 किमी लंबी है. दुनिया की यह पहली रेगिस्तानी लूप लाइन भी है, जिसे दो साल पहले साल 2022 में शुरू किया गया. ये रेगिस्तानी लाइन नई लाइन गोलमुड-कोरला और दक्षिणी झिंजियांग रेल लाइनों को जोड़ती है. यह दुनिया के सबसे बडे शिफ्टिंग रेत रेगिस्तान तक्लामांकन में बनी है. चीन की इस रेगिस्तानी लाइन पर ट्रेन में यात्रा के

दौरान दोनों तरफ रेत के विशाल टीले नजर आते हैं, जो हवा के साथ इधर-उधर शिफ्ट होते रहते हैं. ये टीले निया खंडहर, प्राचीन शहर एंडिल और दूसरे सांस्कृतिक स्थल मार्ग के किनारे नजर आते हैं. इस रेलवे लाइन पर अभी 120 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से ट्रेनें दौड़ रही हैं. यात्री शिनजियांग के हॉटन शहर से रुओकियांग जिले तक का सफर तय कर रहे हैं. यह सिंगल पटरी वाली रेलवे लाइन है. यह रेल लाइन ऐसे कई शहरों को जोड़ती है, जहां पर परिवहन बहुत मुश्किल था. निर्जन क्षेत्र में तीन साल मजदूरों ने किया काम हॉटन-रुओकियांग रेल लाइन

का निर्माण करना इतना आसान नहीं था. कामगारों ने रेत के टीलों, रेतीले तुफान, अत्यधिक गर्मी और जमा देने वाले तापमान का सामना करते हुए 460 किलोमीटर निर्जन क्षेत्र में काम किया. इन इलाकों में आज भी पानी, बिजली और सेलफोन नेटवर्क नहीं है. मजदूरों ने तीन साल लगातार मेहनत करके इस चीनी इजीनियरिंग को जमीन पर उतारा है. यह रेल लाइन इंजीनियरिंग का शानदार नमूना तो है ही लेकिन उससे ज्यादा यह उपयोगी है. यह रेल लाइन चीन के लिए पिछले दो सालों में काफी फायदेमंद साबित हुई है. आठ मालगाड़ियों से ढोया जा रहा सामान चीन के

इस क्षेत्र में रेगिस्तान होने की वजह से परिवहन करना बहुत कठिन था. स्थानीय लोगों को शिनजियांग से बाहर जाने के लिए तियानशान पर्वत पार करना पड़ता था. इस क्षेत्र में कपास और खजूर भारी मात्रा में पैदा होता है, जो खराब परिवहन की वजह से बाहर नहीं जा पाता था. इस रेल लाइन के निर्माण के बाद हर दिन आठ मालगाड़ियां शिनजियांग से कपास, अखरोट, लाल खजूर और खनिजों को लेकर चीन के बड़े शहरों तक पहुंचाती हैं. ऐसे में कहा जा सकता है कि इस रेल नेटवर्क ने रेगिस्तान में जीवन ला दिया है।

बिज्यधीफेलिबरलाइजेशनएंड विवर्णयर एवाइडेट्सर (पंजीकृत) TOLWA

website: www.tolwa.in Email: tolwadelhi@gmail.com bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन ६० विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय:– ३, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए –४ पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063 कॉरपोरेट कार्यालय :– 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इनसाइड

महिलाओं को ये रूल अपनाकर अपने को हमेशा सकरात्मक रखना चाहिए

आप चाहे कितना भी तनाव झेल रही हों फिर भी आपका व्यवहार बिल्कुल सामान्य हो, यह दिखाता है कि आप मानसिक और भावनात्मक रूप से कितनी मजबूत हैं. यहां हम बता रहे हैं कि महिलाएं खुद को किस तरह मेटली स्ट्रॉन्ग बना सकती हैं और हर हालात का डटकर मुकाबला कर सकती हैं. इँसान के जीवन में उतार-चढ़ाव लगा रहता है. खासतौर पर महिलाओं के जीवन में घटनाओं व हालात की कमी नहीं होती. पढ़ाई लिखाई, करियर, शादी, बच्चे से लेकर घर-परिवार आदि को सही तरह से संभालते-संभालते वह कई बार सिच्एशन के आगे खुद को हारा हुआ महसूस करती हैं और टूट जाती है. लेकिन, कुछ महिलाएं हालात का डटकर सामना करती हैं और अपना एक मुकाम बनाती हैं. ऐसी महिलाएं मेंटली और इमोशनली स्ट्रॉन्ग कही जाती हैं. यहां हम बता रहे हैं कि आप किस तरह ख़ुद को भावनात्मक रूप से मजबूत बना सकती हैं और जीवन की हर चुनौतियों का डटकर सामना कर सकती

महिलाएं इस तरह बनें मेंटली स्ट्रॉन्ग

अपने लाइफ अपने हाथ साइकोलॉजी टुडे के मुताबिक, अगर आप ये सोच रही हैं कि आपकी बात कोई और बोले, तो इस उम्मीद में ना बैठी रहें. आप अपने जीवन का गोल तय करें और उसे हासिल करने का तरीका ढूंडें. अपनी परेशानियों को खुद हैंडल करने का प्रयास

लोगों से खुद की तुलना ना करें

हर इंसान के हालात अलग होते हैं, इसलिए खुद की तुलना दूसरों से ना करें. खुद के जीवन से खुद की तुलना करें. मसलन, आप जो कल थीं और आज हैं, उसमें आपने क्या सीखा. ओवरथिंकिंग से बचें

महिलाएं ओवर थिंकिंग से खुद को बचाएं. अगर आप किसी बात को लेकर परेशान हैं, दिन रात उसी के बारे में सोच रही हैं, तो बेहतर है कि अब किसी और चीज पर ध्यान लगाएं. कई बार महिलाएं बेवजह हीं खुद को कमजोर सोचने लगती हैं.

अपनी कमजोरी को पहचानें सबसे पहले अपने अंदर की कमजारी को पहचानें और उसे ठीक करने का रास्ता निकालें. आत्ममंथन करें. पाएंगी कि खुद की कमजोरी को पहचानते ही आप इसका उपाय भी खुद ही निकाल लीं.

स्टीरियोटाइप सोच से कुछ अलग सोचें और यह स्वीकारें कि महिला होने के नाते आप कई चीजों में बेहतर कर सकती हैं. आप खुद के बारे में जहां तक हो सके. खोज करें. ऐसा करने से आपको खुद के लिए कुछ ऑपोरचुनीज मिलेगी और आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा. इन बातों का भी रखें ध्यान

- -जरूरत से अधिक हाई एक्सपेक्टेशन खद से नहीं रखना चाहिए.
- –मदद लेने को कमजोरी ना समझें. -खुद पर डाउट ना करें और भरोसा रखें.
- -चैलेंज लेने से घबराएं या डरें नहीं.
- -रूल्स तोड़ने से डरें नहीं.
- –खुद को आगे करने के लिए लोगों को पीछे ना खींचे.
- –दूसरों को ब्लेम ना करें.

छोटी-छोटी आदतों से सहेलियों के जीवन को बनाएं आसान

आमतौर पर सोसायटी में यह धारना बनी हुई है कि महिलाएं आसानी से दूसरी महिलाओं की सफलता पर ईर्ष्या करने लगती हैं, लेकिन अगर आप इस सामाजिक सोच को तोड़ना चाहती हैं और बेहतर जीना चाहती हैं तो यह जरूरी है कि आप अपने आसपास की महिलाओं की मदद करें और उनकी सफलताओं पर भी खुश हों, जश्न मनाएं. यहां हम आपको बताते हैं कि आप अपनी सहेलियों के जीवन को बेहतर और आसान बनाने में किस तरह से उनकी मदद कर सकती हैं और उनका सर्पोट कर सकती हैं. यह सच है कि जब आपके करीब की कोई महिला किसी काम में सफलता हासिल करती है और आपके साथ अपनी सफलता को शेयर करना चाहती है तो यह आपकी दोस्ती को कमजोर नहीं, मजबत बनाने का जरिया हो सकता है. जी हां, इसलिए बेहतर होगा कि आप अपनी सहेलियों से जलने की बजाय, उनकी सफलता का जश्न मनाएं और उसे अच्छा महसूस कराएं. आपका ये तरीका, उसे मानसिक रूप से बहुत ही मजबूती देगा और आपके बीच की बॉन्डिंग भी बढ़ेगी. आज के भागदौड़ भरी दुनिया में महिलाओं के लिए घर परिवार में कोई ऐसा इंसान नहीं होता, जिसके साथ वह अपनी बातों को खुलकर शेयर कर सके और परेशानियों को बता

5 आदतें जो बनाते हैं आपको इमोशनली स्ट्रॉन्ग, महिलाएं हर हालात का डटकर कर सकेंगी मुकाबला

इमोशनली ब्रेक डाउन होना कमजोरी नहीं, लेकिन दोबारा उठकर हालात को कंट्रोल करना मानसिक रूप से मजबूत होने की निशानी है. आप चाहे कितना भी तनाव झेल रही हों फिर भी आपका व्यवहार बिल्कुल सामान्य हो, यह दिखाता है कि आप मानसिक और भावनात्मक रूप से कितनी मजबूत हैं. यहां हम बता रहे हैं कि महिलाएं खुद को किस तरह मेंटली स्ट्रॉन्ग बना सकती हैं और हर हालात का डटकर मुकाबला कर सकती हैं.

www.newsparivahan.com

सान के जीवन में उतार-चढ़ाव लगा रहता है. खासतौर पर महिलाओं के जीवन में घटनाओं व हालात की कमी नहीं होती. पढ़ाई लिखाई, करियर, शादी बच्चे से लेकर घर-परिवार आदि को सही तरह से संभालते-संभालते वह कई बार सिचएशन के आगे खुद को हारा हुआ महसूस करती हैं और टूट जाती है. लेकिन, कुछ महिलाएं हालात का डटकर सामना करती हैं और अपना एक मुकाम बनाती हैं. ऐसी महिलाएं मेंटली और इमोशनली स्ट्रॉन्ग कही जाती हैं. यहां हम बता रहे हैं कि आप किस तरह खुद को भावनात्मक रूप से मजबूत बना सकती हैं और जीवन की हर चुनौतियों का डटकर सामना कर सकती हैं. महिलाएं इस तरह बनें मेंटली स्ट्रॉनग

अपने लाइफ अपने हाथ

साइकोलॉजी टुडे के मृताबिक, अगर आप ये सोच रही हैं कि आपकी बात कोई और बोले, तो इस उम्मीद में ना बैठी रहें. आप अपने जीवन का गोल तय करें और उसे हासिल करने का तरीका ढूंडें. अपनी परेशानियों को खुद हैंडल करने का प्रयास करें.

लोगों से खुद की तुलना ना करें हर इंसान के हालात अलग होते हैं, इसलिए



खुद की तुलना दूसरों से ना करें. खुद के जीवन से खुद की तुलना करें. मसलन, आप जो कल थीं और आज हैं, उसमें आपने क्या

ओवरथिंकिंग से बचें

महिलाएं ओवर थिंकिंग से खुद को बचाएं. अगर आप किसी बात को लेकर परेशान हैं, दिन रात उसी के बारे में सोच रही हैं, तो बेहतर है कि अब किसी और चीज पर ध्यान लगाएं. कई बार महिलाएं बेवजह हीं खुद को कमजोर सोचने लगती

अपनी कमजोरी को पहचानें सबसे पहले अपने अंदर की कमजारी को

पहचानें और उसे ठीक करने का रास्ता निकालें. आत्ममंथन करें. पाएंगी कि खुद की कमजोरी को पहचानते ही आप इसका उपाय भी खुद ही निकाल लीं

स्टीरियोटाइप सोच से कुछ अलग सोचें और यह स्वीकारें कि महिला होने के नाते आप कई चीजों में बेहतर कर सकती हैं. आप खुद के बारे में जहां तक हो सके, खोज करें. ऐसा करने से आपको खुद के

लिए कुछ ऑपोरचुनीज मिलेगी और आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा. इन बातों का भी रखें ध्यान

- -जरूरत से अधिक हाई एक्सपेक्टेशन खद से नहीं रखना चाहिए.
- –मदद लेने को कमजोरी ना समझें.
- –खुद पर डाउट ना करें और भरोसा रखें
- -चैलेंज लेने से घबराएं या डरें नहीं. -रूल्स तोड़ने से डरें नहीं
- -ख़ुद को आगे करने के लिए लोगों को
- पीछे ना खींचे. –दूसरों को ब्लेम ना करें.

40 की उम्र में चाहिए 25 वाला ग्लो और एनर्जी, 5 चीजों को डाइट में करें शामिल, नहीं हटेगी किसी की नजर





आजकल की लाइफ स्टाइल में उम्र से पहले ही चेहरे पर झुर्रियां नजर आने लगती हैं, जिनसे निजात पाने के लिए महिलाएं तरह—तरह के जतन करती हैं . ऐसे में अगर आप चाहें तो कुछ चीजों को डाइट में शामिल करके 40 की उम्र में भी 25 जैसा निखार और एनर्जी बनाए रख सकती

3 म बढ़ने के साथ ही त्वचा का निखार ही नहीं बल्कि एनर्जी भी कम होने लगती है. स्किन की रौनक और एनर्जी को बढ़ाने के लिए ज्यादातर महिलाएं तरह-तरह के जतन करती हैं. इसके बावजूद पॉजिटिव रिजल्ट्स नहीं मिल

पाते हैं. ऐसे में आपको जरूरत है उन चीजों को डाइट में शामिल करने की, जो आपको 40 की उम्र में भी 25 के जैसी यंग एंड स्मार्ट दिखाने में मदद कर सकती हैं, बता दें कि बॉडी की एनर्जी और स्किन का ग्लो मेंटेन रखने के लिए आप अपनी डाइट में कुछ जरूरी चीजों को शामिल कर सकती हैं. ये आपकी स्किन का निखार बढ़ाने के साथ ही एनर्जी और इम्यूनिटी को बूस्ट करने में आपकी मदद करेंगी. आइए हेल्थलाइन डॉट कॉम के अनुसार, आपको बताते हैं महिलाओं की स्किन ग्लो और बॉडी एनर्जी को बढ़ाने वाली चीजों के बारे में.

सैल्मन मछली ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन, सेलेनियम जैसे तत्त्वों से भरपूर होती हैं. इसमें ऐस्टाक्सांथिन नामक एक कैरोटेनॉइड एंटी-ऑक्सिडेंट होता है. जो सेहत को दुरुस्त रखने में तो अच्छा रोल निभाता ही है. साथ ही ये स्किन को सन डैमेज से बचाने और त्वचा को नुकसान पहुंचाने वाली सूजन को कम करने में

गाजर

गाजर को अपनी डाइट में शामिल करके आप बढ़ती उम्र में भी चेहरे का निखार और बॉडी की एनर्जी को मेंटेन रख सकती हैं. ये एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती है और इसमें बीटा कैरोटीन और लाइकोपीन जैसे कैरोटेनॉइड भी होते हैं. जो त्वचा को सूर्य की किरणों से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद कर सकते हैं.

टमाटर का सेवन भी महिलाओं को जरूर करना चाहिए. टमाटर में काफी मात्रा में लाइकोपीन होता है. जो सूरज की यूवी किरणों से सुरक्षा प्रदान करने में मदद करता है. इतना ही नहीं एंटी-ऑक्सिडेंट से भरपुर टमाटर किसी भी तरह की बीमारी के जोखिम को कम करने में भी सहायता करते हैं.

एवोकाडो

एवोकाडो मोनोउनसैटेड फैट और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं. बढ़ती उम्र . पर विराम लगाने के लिए आप एवोकाडो को अपनी डाइट में शामिल कर सकती हैं. ये आपको सेहतमंद रखने में तो मदद करते ही हैं. साथ ही त्वचा पर बुढ़ापे के कारण होने वाले नुकसान को रोकने में भी हेल्प करते हैं.

कोलेजन पेप्टाइंड्स

कोलेजन शरीर का सबसे अधिक मौजूदा प्रोटीन है जो खासकर स्किन और जॉइंट्स में बड़ी मात्रा में पाया जाता है. जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है शरीर का कोलेजन टूटना शुरू हो जाता है. जिसके चलते झुर्रियां और ढीली त्वचा जैसी दिक्कतें सामने आती हैं. ऐसे में आप टोफ़, चिकन और अंडे जैसी हाई प्रोटीन चीजें अपनी डाइट में शामिल कर सकती हैं.

महिलाओं में 5 लक्षण दिखें तो हो जाएं अलर्ट खराब मेंटल हेल्थ के होते हैं संकेत, सही वक्त पर करें सेल्फ

अत्यधिक अपराधबोध, भय, शर्म या क्रोध का होना भी मेंटल प्रॉब्लम के शुरुआती लक्षण हैं.अत्यधिक अपराधबोध, भय, शर्म या क्रोध का होना भी मेंटल प्रॉब्लम के शुरुआती लक्षण हैं.डिप्रेशन और एंग्जायटी पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अधिक देखने को मिलती है. ये दिमागी बीमारी के

शुरुआती लक्षण हो सकते हैं. हकीकत यह है कि महिलाएं महीनों, सालों और कई बार तो जीवनभर इस परेशानी से जूझती हैं, जो बाद में और भी परेशानी की वजह बन जाते हैं. आज आपको बता रहे हैं कि महिलाओं में मेंटल हेल्थ के खराब होने के शुरुआती लक्षण क्या हैं.

3 क्सर यह देखने को मिलता है कि महिलाएं अपने मेंटल हेल्थ को लेकर सीरियस नहीं होतीं और सालों साल डिप्रेशन और एंग्जायटी की समस्या से जूझती रहती हैं. इलाज के अभाव में समस्या और भी बढ़ जाती है और हालात कंटोल से बाहर हो जाते हैं. आज के बिजी लाइफ स्टाइल में महिलाएं घर और दफ्तर दोनों को सम्हालती हैं और मेंटल हेल्थ से जडी काफी मामलों को नजरअंदाज कर देती हैं. लेकिन अन्य बीमारियों की तरह यह समस्या भी रुकती नहीं और धीरे धीरे जीवन को कई तरह से प्रभावित करती चली जाती हैं. आइए जानते हैं कि महिलाओं में मेंटल हेल्थ की समस्या के शुरुआती लक्षण क्या हैं.

जीवन में कठिनाइयां बढ़ना- क्लीयरव्यू ट्रीटमेंट प्रोग्राम के मुताबिक कभी-कभी मानसिक बीमारी के पहले लक्षण के रूप में देखा जाता है कि महिलाओं का परफॉरमेंस एकाएक खराब होने लगता है. मसलन, खराब ग्रेड आना, काम अच्छा ना होना, अच्छी तरह से जिम्मेदारियों को ना निभा पाना, स्ट्रेस मैनेज नहीं कर पाना, पर्सनल रिलेशन में समस्या आदि. ऐसे लक्षण महिलाओं में मेंटल हेल्थ के बिगड़ने के लक्षण हो सकते हैं.

मुड और भावनाओं में बदलाव- अगर अचानक से महिला के मुंड में परिवर्तन हो या मुंड में उतार-चढ़ाव आए तो ये भी मानसिक बीमारियों का एक और प्राथमिक संकेत हो सकता है. मसलन, उदास रहना, उत्साह की कमी, एनर्जी और भावनाओं की कमी या उदासीनता की भावना आदि. यही नहीं, ऐसी अवस्था में अत्यधिक अपराधबोध, भय, शर्म या क्रोध का अनुभव भी कर सकता है.

संज्ञानात्मकता की कमी- संज्ञानात्मकता की कमी यानी कि चीजों को बार बार भूलना, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई या भ्रम होना आदि लक्षण मानसिक बीमारी के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं. ऐसे हालत में इंसान इंसानों को भूल सकता है और वह कहीं खोया खोया रहता है.



खतरनाक व्यवहार- मानसिक बीमारी अगर अपने शुरुआती दौर में है तो कभी-कभी ऐसी महिलाएं जोखिम भरे व्यवहार करने लगती हैं. मसलन, अत्यधिक मात्रा में पैसा खर्च करना, जोखिम भरा यौन व्यवहार करना या इग्स और शराब के साथ प्रयोग करना. इस परेशानी से पीछा छुड़ाने के लिए कई बार लोग इग्स या शराब की लत तक के शिकार हो जाते हैं.

हकीकत से दूर होना- कई बार महिलाएं तनाव झेलते झेलते मतिभ्रम महसूस करने लगती हैं जिसमें उन्हें लगता है कि कुछ हो रहा है, जबकि ऐसा कुछ भी

नहीं हो रहा. ऐसा लक्षण होने पर तुरंत आप साइक्रेटिस्ट से संपर्क करें और विशेषज्ञों से मदद लें.

लक्षण दिखने कर क्या करें?

- -अगर आप कुछ ऐसा अनुभव कर ही हैं तो
- विशेषज्ञ की सलाह लें. –योग और ध्यान का सहाला लें और वॉकिंग या
 - –लोगों से मिलें और क्लब आदि ज्वाइन करें.
 - -बिहेवियर थेरेपी की मदद लें.

प्रियंका चोपड़ा ने 30 की उम्र में अपने एग कराए थे फ्रीज़, आखिर व यों प्रचलित हो रहा यह तरीका

बॉलीवुड में एग फ्रीजिंग तकनीक काफी फेमस हो रही है . हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने भी इस तकनीक की मदद से बच्ची को जनम दिया है. आखिर ये तकनीक व यों फेमस हो रही है और फैमिली प्लानिंग में ये किस तरह लोगों की मदद कर रही है, इस बारे में सभी को कुछ बातें जान लेनी चाहिए.

प्रियंका चोपड़ा हाल ही में जाने माने अमेरिकन एक्टर फिल्ममेकर डैक्स शेफर्ड के पॉडकास्ट आर्मचेयर एक्सपर्ट के शो में अपनी पर्सनल लाइफ के कुछ जरूरी फैसलों पर चर्चा करते हुए कई बातों को खलासा किया. इस मौके पर उन्होंने खलकर इस बात की जानकारी दी कि उन्होंने अपनी मां की सलाह पर अपने एग्स फ्रीज करवाए थे. उन्होंने बताया कि अपने 30 वें साल में लिए गए इस निर्णय की वजह से उन्हें जीवन में कई आजादी भी मिली. प्रियंका अभी 40 साल की हैं और सिंगर एक्टर निक जोनस के साथ एक ख़ुशहाल मैरिड लाइफ जी रही हैं. हाल ही में एग फ्रीजिंग तकनीक से उन्हें बेटी भी हुई है, जिसका नाम मालती मेरी चोपड़ा

आखिरक्या है एगफ्रीजिंग?

मेडिकल न्यूज टुडे के मुताबिक, एग फ्रीजिंग एक मेडिकल प्रक्रिया है जिसमें एक महिला के पास यह विकल्प होता है कि वह बच्चे पैदा करने की उम्र निकल जाने के बाद भी सेरोगेसी से अपने बच्चे को जन्म दे सकती है. दरअसल, जैसे जैसे उम्र बढ़ती है, महिलाओं में अंडे की क्वालिटी घटती जाती है. ऐसे में महिला बच्चे को जन्म तो देना चाहती है लेकिन सिच्एशन की वजह से फिलहाल प्रेग्नेंट नहीं हो सकती, तो ऐसी महिलाओं के लिए एग फ्रीजिंग तकनीक काफी सुविधाजनक और सेफ विकल्प हो सकता है.

एकफ्रीजिंग का क्यों बढ़ रहा ट्रेंड?

करियर और एजुकेशन प्लान में सुविधा- जो महिलाएं एडवांस या हाइयर एजुकेशन में डिग्री हासिल करना चाहती हैं या करियर की वजह से उन्हें प्रेग्नेंसी के लिए मौका नहीं मिल पा रहा, ऐसी महिलाएं यवा अवस्था में अपने भविष्य के प्लान के लिए अंडे फ्रीज करवा सकती हैं. ऐसा करने से महिलाओं के पास एक आजादी होती है कि वे अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें, अच्छा करियर बना सकें और उम्र होने पर अपना परिवार भी बढ़ा सकें.

व्यक्तिगत परिस्थितियां - जो महिलाएं बच्चे तो पैदा करना चाहती हैं. लेकिन अभी तक उन्हें कोई परफेक्ट साथी नहीं मिला है तो वे भविष्य में उपयोग के लिए अपने अंडे को फ्रीज करा सकती हैं. समलैंगिक संबंधों में रहने वाली महिलाएं भी बाद में बच्चा पैदा करने की इच्छा होने पर ऐसा कर सकती हैं.

कैंसर पीड़ित महिलाओं के लिए विकल्प- अगर महिला कैंसर पीड़ित है तो कीमोथेरेपी और अन्य कैंसर उपचार में आमतौर पर प्रजनन क्षमता कम हो जाती है और कई बार तो प्रजनन क्षमता खत्म भी हो जाती है. ऐसे में महिला पहले ही अपने एग को फ्रीज करा सकती हैं और इलाज के बाद फैमिली प्लानिंग कर सकती हैं.

2 जून को केजरीवाल सरेंडर करेंगे या नहीं? दिल्ली के सीएम ने खुद दी जानकारी

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि संभव है ये लोग इस बार मुझे पहले से ज्यादा प्रताड़ित करें लेकिन मैं इनके आगे झुकूंगा नहीं। इन्होंने मुझे तोड़ने-झुकानें की खूब कोशिश की पर सफल नहीं हुए। मुझे गर्व है कि मैं देश को तानाशाही से बचाने के लिए जेल जा रहा हूं। आपने हर मुश्किल वक्त में एक परिवार की तरह मेरा साथ दिया है।

नर्इदिल्ली।मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अंतरिम जमानत की अवधि खत्म होने से पहले शुक्रवार को उन्होंने दिल्लीवासियों को भावुक संदेश दिया। उन्होंने लोकसभा चुनाव के लिए 21 दिन की मोहलत देने के लिए सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद किया और दिल्लीवालों से कहा कि एक जुन को मुझे मिली मोहलत समाप्त हो रही है, दो जून को दोपहर तीन बजे सरेंडर करने के लिए

उन्होंने कहा कि आप चिंता मत करना। मैं चाहे जहां रहूं, लेकिन आपकी 24 घंटे वफ्री बिजली, इलाज, महिलाओं की बस यात्रा समेत सारे काम चलते रहेंगे।

उन्होंने कहा कि संभव है, ये लोग इस बार मुझे पहले से ज्यादा प्रताड़ित करें, लेकिन मैं इनके आगे झुकुंगा नहीं। इन्होंने मुझे तोड़ने-झुकाने की खुब कोशिश की, पर सफल नहीं हुए। मुझे गर्वहै कि मैं देश को तानाशाही से बचाने के लिए जेल जा रहा हं। आपने हर



मुश्किल वक्त में एक परिवार की तरह मेरा साथदिया है। देश बचाने के लिए मुझे कुछ हो भी जाए तो गम मत करना।

www.newsparivahan.com

तानाशाही से बचाने के लिए जा रहा हूं जेल:केजरीवाल

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने शुक्रवार को डिजिटल प्रेस वार्ता कर कहा, ₹मुझे नहीं पता ये लोग इस बार मुझे कबतक जेल में रखने वाले हैं, लेकिन मेरे हौसले बुलंद हैं। मैं देश को तानाशाही से बचाने के लिए जेल जा रहा हूं।

उन्होंने कहा कि जेल में मैं 50 दिन था। इन दिनों में मेरा छह किलो वजन कम हो गया।जब मैं जेल गया, तब मेरा वजन 70

किलो था और आज 64 किलो हो गया है। जेल से छटने के बाद भी मेरा वजन नहीं बढ रहा है। डाक्टर कह रहे हैं कि ये शरीर में किसी बड़ी बीमारी का भी संकेत हो सकता है। कई टेस्टकरवाने की जरूरत है। मेरे यूरिन में भी कीटोन लेवल बहुत ज्यादा हो गया है।

आप अपना ख्याल रखनाः

केजरीवाल ने दिल्लीवासियों से कहा कि आप अपना ख्याल रखना । मुझे जेल में आपकी बहुत चिंता रहती है। आप खुश रहेंगे तो आपका केजरीवाल भी खुश रहेगा। मैं बेशक आपके बीच नहीं रहूंगा, लेकिन आप चिंता मत करना आपके सारे काम चलते

रहेंगे।मैं चाहे जहां रहूं, जेल के अंदर रहूं या बाहर रहूं। मैं दिल्ली के काम नहीं रुकने दुंगा। मैं लौट कर हर मां-बहन को हर महीने 1000 रुपए देने की भी शुरुआत करूंगा। मैंने हमेशा आपके परिवार का बेटा बनकर अपना फर्ज

केजरीवाल ने यह भी कहा, ₹मेरे माता-पिता बहुत बुजुर्ग हैं। मेरी मां बहुत बीमार रहती हैं। मुझे जेल में उनकी बहुत चिंता रहती है। मेरे पीछे से मेरे माता-पिता का ख्याल रखना । उनके लिए भगवान से प्रार्थना करना । दुआओं में बड़ी ताकत होती है। आप मेरी मां के लिए रोज प्रार्थना करेंगे तो वो जरूर स्वस्थ

दुबई से मुंबई हवाई अड्डे पर उतरते ही दबोचा गया नंदू गिरोह का गुर्गा, बल्लू पहलवान की हत्या का था आरोप

कपिल सांगवान उर्फ नंदू गिरोह के सक्रिय सदस्य योगेश को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित के विरुद्ध लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया था। २६ मई को दुबाई से भारत वापस आते समय स्पेशल सेल की टीम ने उसे मुम्बई हवाई अड्डे पर ही रोक कर गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपित योगेश बल्लू पहलवान की हत्या के साथ ही हथियार तस्करी के मामले में भी

नईदिल्ली।दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल नेविदेश में बैठकर अपनागिरोह चला रहे गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंद् गिरोह के सक्रिय सदस्य योगेश को गिरफ्तार किया है। आरोपित जनवरी के महीने में फरीदाबाद में हुई सुरजभान उर्फ बल्लू पहलवान की सनसनीखेज हत्या में शामिल था और हत्याकांड के बाद दुबई भाग गया

आरोपित के विरुद्ध लुकआउट सर्कुलर जारीकियागयाथा। 26 मईको दुबाईसे भारत वापस आते समय स्पेशल सेल की टीम ने उसे मुम्बई हवाई अड्डेपर ही रोक कर गिरफ्तार कर लिया गया । आरोपित योगेश बल्लू पहलवान की हत्या के साथ ही हथियार तस्करी के मामले में भी वांछित

मध्यप्रदेशके अंकितमिश्राहएथे गिरफ्तार

स्पेशल सेल की डीसीपी प्रतीक्षा गोदारा ने बताया कि इंस्पेक्टर शिव कुमार और इंस्पेक्टर सतीश राणा की टीम ने चार फरवरी को मध्य प्रदेश के अंकित मिश्रा और जितेंद्र राजपूत को 12 सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया गया था। दोनों से पछताछ के दौरान जानकारी मिली कि हरियाणा के जिला झज्जर के रहने वाले योगेश नाम के व्यक्ति को पहुंचाई जानी थी। इसके बाद योगेश को पकड़ने और उसकी गतिविधियों के बारे में अधिक जानकारी इकट्ठा करने के लिए छापे मारे गए। सेल को जानकारी मिली कि योगेश कपिल सांगवान उर्फ नंदु गिरोह से जुड़ा है। योगेश की आपराधिक गतिविधियों की आगे की जांच से जनवरी 2024 में फरीदाबाद में सूरजभान उर्फ बल्लू पहलवान की हत्या की साजिश में उसकी संलिप्तता का पता चला। जिम से बाहर आने पर बल्ल पहलवान

दिल्ली के नजफगढ़ के दीनपुर गांव का रहने वाला सरजभान उर्फबल्ल पहलवान व्यायाम करने के लिए फरीदाबाद सेक्टर 11 जिम में आया था। 30 जनवरी 2024 की शाम जब वह जिम से बाहर आ रहा था, तभी कार सवार बदमाशों ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस संबंध में उसकी पत्नी के बयान पर मामला दर्जिकया गया था।फरवरी के आखिरी हफ्ते में योगेश अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए दुबई भाग गया।वह इस मामले में वांछित था और उसकी एलओसी खोली गई थी। 26 मई, 2024 को स्पेशल सेल द्वारा जारी लुकआउट सर्कुलर के जवाब में योगेश को दुबई से भारत में दोबारा प्रवेश करते समय मुंबई हवाई अड्डेपर रोक लिया गया था।बाद में उन्हें आर्म्सएक्ट मामले में गिरफ्तार कर लिया गया।पूछताछ के दौरान, योगेश ने सुरजभान की हत्या में अपनी भूमिका कबूल करते हुए कहा कि उसने और प्रवीण निवासी देव नगर बहादुरगढ़ ने विदेश में बैठे कपिल सांगवान और उसके सहयोगी मनीष राठी के निर्देश पर अपराध स्थल की टोह ली

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध बैग मिला, बम होने की अफवाह से मची अफरा-तफरी; पुलिस जांच में मिला ये सामान

दिल्ली पुलिस ने बताया कि उन्हें शाम करीब साढ़े छह बजे रेलवे स्टेशन के अजमेरी गेट साइड पर एक लावारिस बैग के बारे में सूचना मिली। मौके पर इससे अफरा-तफरी का माहौल था। उन्होंने बताया कि कूड़ेदान में मिले संदिग्ध बैग की पुलिस और बम निरोधक दस्ते दोनों ने जांच की। उन्होंने बताया कि कोई विस्फोटक नहीं पाया गया और कोई खतरा नहीं है।

नई दिल्ली। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को उस समय दहशत फैल गयी, जब कूड़ेदान में एक 'संदिग्ध' बैग देखे जाने से बम की अफवाह फैल गयी। इससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। संदिग्ध बैग में बम की सूचना पर मौके पर बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया। बम निरोधक दस्ते द्वारा बैग की जांच में कोई विस्फोटक नहीं मिला। जिसके बाद अधिकारियों ने राहत की सांस ली और स्टेशन पर भी माहौल सामान्य हुआ। रेलवे पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर कूडेद्रान में एक संदिग्ध बैग देखे जाने पर उसमें बम होने की अफवाह फैल गई। मौके पर बम निरोधक दस्ते को बुलाकर बैग की जांच कराई गई। टीम ने बैग से दो विस्फोट सिमुलेशन गेंदें बरामद कीं, जिनका उपयोग रक्षा प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए किया जाता है और ये गैर-घातक हैं और इनमें कोई महत्वपर्ण विस्फोटक सामग्री नहीं है। पुलिस ने बताया कि उन्हें शाम करीब साढ़े छह बजे रेलवे स्टेशन के अजमेरी गेट साइड पर एक लावारिस बैग के बारे में सूचना मिली। उन्होंने बताया कि कूड़ेदान में मिले संदिग्ध बैग की पुलिस और बम निरोधक दस्ते दोनों ने जांच की। उन्होंने बताया कि कोई विस्फोटक नहीं पाया गया और कोई खतरा नहीं है।

दिल्ली एम्स में अत्याधुनिक तकनीक से जल्दी हो सकेगा स्ट्रोक मरीज का इलाज, किसी अन्य सरकारी अस्पताल में नहीं है सुविधा

दिल्ली एम्स का दावा है कि किसी अन्य सरकारी अस्पताल में यह अत्याधुनिक सुविधा उपलब्ध नहीं है। वैसे एम्स में इस्कीमिक स्ट्रोक के मरीजों का मैकेनिकल थ्रीम्बेक्टोमी तकनीक से पहले से इलाज होता रहा है। इस बीमारी में दिमाग की धमनी में ब्लाकेज होने के कारण शरीर का कोई हिस्सा काम करना बंद कर देता है। इसका इस्तेमाल कर स्ट्रोक के अधिक मरीजों का इलाज किया जा सकेगा।

नई दिल्ली। एम्स के न्यूरो सेंटर में स्ट्रोक मरीजों के इलाज के लिए अत्याधुनिक बाइप्लेन फ्लैट पैनल डिजिटल सब्सट्टैक्शन एंजियोग्राफी मशीन लगाई है। एम्स के निदेशक डॉ. एम श्रीनिवास ने शुक्रवार को इसका शुभारंभ किया। इस तकनीक की मदद से एक्यूट स्ट्रोक के मरीजों के मस्तिष्क में खुन के थक्के का पता लगाकर उसका इलाज तेजी से जल्दी हो सकेगा। एम्स को उम्मीद है कि इस तकनीक का इस्तेमाल कर

एम्स का दावा है कि किसी अन्य सरकारी अस्पताल में यह अत्याधुनिक सुविधा उपलब्ध नहीं है। वैसे एम्स में इस्कीमिक स्ट्रोक के मरीजों



का मैकेनिकल थ्रौम्बेक्टोमी तकनीक से पहले से इलाज होता रहा है। इस बीमारी में दिमाग की धमनी में ब्लाकेज होने के कारण शरीर का कोई हिस्सा काम करना बंद कर देता है। मैकेनिकल थ्रीम्बेक्टोमी में मरीज की जांघ की धमनी के रास्ते स्टेंट रिटीवर डालकर दिमाग की धमनी में जमे खून थक्के को निकाल दिया जाता है । सामान्य तौर पर स्ट्रोक होने के छह घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को यह प्रोसीजर किया जाता

टिवन स्पिन तकनीक से 3डी रोटेशन

एंजियोग्राफी हो सकेगी

इसी क्रम में एम्स के न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल रेडियोलाजी विभाग ने बाइप्लेन फ्लैट पैनल डिजिटल सब्सटैक्शन एंजियोग्राफी मशीन लगाई है, जिसमें ट्विन स्पिन (2डी बाइप्लानर व 3डी बाइप्लानर) तकनीक इस्तेमाल की गई है। इसकी मदद से 3डी रोटेशन एंजियोग्राफी हो सकेगी। इससे मस्तिष्क की सक्ष्म हिस्सों को बडा करके देखा जा सकता है। इस मशीन के साथ कोन बीम सीटी भी लगी है। इसकी मदद से एक्यूट स्टोक के गंभीर व कम गंभीर मरीजों को छांट कर

जल्दी इलाज किया जा सकता है। इससे मस्तिष्क को अधिक क्षति होने से बचाया जा सकता है। यह तकनीक मरीज के लिए ज्यादा

न्यूरो सेंटर के प्रमुख व न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल रेडियोलाजी के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेश गायकवाड ने कहा कि इस तकनीक से इलाज की प्रक्रिया तेज होगी। इससे अधिक मरीजों का प्रोसीजर हो सकेगा। इसके अलावा मरीज को रेडिएशन का डोज कम लेगेगा। इसलिए यह तकनीक मरीज के लिए ज्यादा सुरक्षित है।

'फुटपाथ पर अतिक्रमण के कारण सड़क पर चलने को मजबूर आम आदमी', दिल्ली हाईकोर्ट की सख्त

न्यायमूर्ति रजनीश भटनागर की पीठ ने कहा कि अतिक्रमण के मामले में अतिक्रमणकर्ता को उसके द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण के संबंध में एजेंसियों द्वारा जवाबदेह बनाया जाएगा। इसके साथ ही अदालत ने इस आदेश की एक प्रति अनुपालन के लिए डीडीए अध्यक्ष और एमसीडी आयुक्त को भेजी जानी चाहिए। अदालत ने उक्त आदेश याचिकाकर्ता कमलेश जैन की याचिका पर दिया।

नईदिल्ली।सार्वजनिक स्थानों से लेकर फुटपाथ पर हुए अतिक्रमण को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने टिप्पणी की है कि फुटपाथों व सड़कों पर होर्डिंग, स्टाल, टेबल और कुर्सियों से किया गया अतिक्रमण इतना व्यापक हो गया है कि जनता को सड़कों पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ता है। अदालत ने इसके साथ ही दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को अतिक्रमण करने वालों पर जुर्माना लगाने के संबंध में नियम व दिशा-निर्देश तैयार करने को कहा है। न्यायमुर्ति रजनीश भटनागर की पीठ ने कहा कि अतिक्रमण के मामले में अतिक्रमणकर्ता को उसके द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण के संबंध में एजेंसियों द्वारा जवाबदेह बनाया जाएगा । इसके साथ ही अदालत ने इस आदेश की एक प्रति अनुपालन के लिए डीडीए अध्यक्ष और एमसीडी आयुक्त को भेजी जानी चाहिए। अदालत ने उक्त आदेश याचिकाकर्ता कमलेश जैन की याचिका पर दिया। याचिकाकर्ता ने दिल्ली पुलिस को बुक्स एंड बीन्स भोजनालय को तेज संगीत बजाने से रोकने के लिए निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि भोजनालय सुबह से आधी रात तक तेज संगीत बजाता है और इससे लोगों को समस्या होती है।

हार्ट अटैकः मौत मामर्लो ने डराना शुरू कर दिया है

परिवहन विशेष न्यूज

एसडीसेठी। देश में हार्ट अटैक से मौत के बढते मामलों ने वाकई अब डराना शुरू कर दिया है। 20 अगस्त, 2022 में स्टेड -अप कमेडियन राजू श्रीवास्तव की अचानक हार्ट अटैक आने से मौत हो गई थी। उसके तीन दिन पहले ही 17 अगस्त, को नागपुर पूणे की उडान भरने से पहले फ्लाइट पायलट का हार्ट अटैक आ गया। और उसकी मौत हो गई।अभी ताजा मामला गुरूवार 31 मई ,2024 का इंदौर में योग केंद्र में ₹मां तुझे सलाम₹ देश भक्ति गीत पर परफॉर्म करते समय एक शख्स सरदार बलबीर सिंह छाबड़ा स्टेज पर तिरंगा झंडा लिए परफॉमेंस कर रहे थे। वह अचानक स्टेज पर ही गिर पडे लोग उनके परफार्मेंस पर ताली बजाते रहे ।लेकिन उनकी मौत हो गई थी। इस घटना का विडियो भी सोशल मिडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इसी तरह हरियाणा मे भी स्टेज पर रामलीला में हनुमान का रोल करने वाले शख्स को भी हार्ट अटैक आ गया। यहां भी लोग तालियां बजाते रहे। जब देर तक हनुमान पात्र नहीं उठा तो देखा उनकी मौत हो चुकी थी।देर तक शख्स नहीं उठे तो लोग भागकर स्टेज पर जा चडे। लेकिन हिलाने पर भी नहीं उठे तो उन्हें पास के अस्पताल में ले जाने पर डाक्टरों ने डेथ डिक्लेयर कर दिया। बताया जा रहा है कि सरदार बलबीर सिंह ने अंगदान फार्म भरा हुआ

इसी क्रम में फेज- 3 की कर्नाटक चुनाव ड्यूटी पर तैनात पुलिस कांस्टेबल समेत दो सरकारी कर्मचारियों की हार्ट अटैक की वजह से मौत हो गई। इसमें एक कर्मचारी शिक्षा विभाग के अन्तर्गत स्कूल हेड मास्टर थे।दूसरे कर्मचारी कृषि विभाग में सहायक कृषि अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। इसी तरह फिल्म सिटी मुम्बई के अभिनेता युवा श्रेयांस घोरपडे की अचानक हार्ट अटैक आने से मौत हो गई।वह 35-40 के बीच की उम्र के थे। अभी हाल ही में इसी हफ्ते अभिताभ बच्चन के डुप्लीकेट फिरोज खान का निधन हार्ट

हार्ट अटैक से हो रहीं मौतों पर शुरू हुई रिसर्च 🔸 देश के अलग-अलग राज्यों के ७० प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में शोध शुरू 👅 कुछ महीनों में शोध रिपोर्ट को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को सौंपा जाएगा

अटैक से हो गया। फिरोज खान ने कई फिल्मों में लडाई के सीन में अमिताभ बच्चन के डुप्लीकेट का काम काम किया था। अचानक से हार्ट अटैक आ जाने से मौत के मामले लगातार बड रहे हैं। इनमें ज्यादातर युवाओं पर हार्ट अटैक आ रहा है। भारत सरकार के नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक अचानक हार्ट अटैक से मौत के मामलों में पिछले साल के मुकाबले में 12 फीसदी का इजाफा हुआ है। एनसीआरबी के जारी आंकडे के मुताबिक 56,653 लोगों की हार्ट अटैक से अचानक डेथ हुई है। इनमें 57. फीसदी सडन हार्ट अटैक से मौत बताई गई है।एनसीआरबी के डेटा के मुताबिक हार्ट अटैक में शामिल लोगों में

भारत सरकार के नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक अचानक हार्ट अटैक से मौत के मामलों में पिछले साल के मकाबले में 12 फीसदी का इजाफा हुआ है। एनसीआरबी के जारी आंकडे के मुताबिक 56,653 लोगों की हार्ट अटैक से अचानक डेथ हुई है। इनमें 57 . फीसदी सडन हार्ट अटैक से मौत बताई गई

ज्यादातर वे लोग थे जो जिम में वर्क आउट करते हए. तो कोई डांस करते-करते गिर गया और मौत हो गई। एनसीआरबी के अनुसार 2022 में जल्द से जल्द स्टैडी करवानी चाहिए।

56000 लोगों की अचानक हार्ट अटैक से मौत हुई। ये आंकडा पिछले साल की तुलना में 12 फीसदी ज्यादा है।इनमें 57 फीसदी लोगों की मौत हार्ट अटैक की वजह रही । राज्य पुलिस विभाग के डेटा पर आधारित है।एक मेडिकल स्टैडी ने साफ कर दिया कि अचानक से हार्ट अटैक में मौत और कोविड-19 वैक्सीनेशन से किसी भी तरह का संबध होने से साफ इन्कार किया था। अब जब वजह साफ है कि इन मौत को कोविड-19 से अलग रखकर गलत शैली के खान-पान, लापरवाह पूर्ण जीवन शैली के अलावा नकली व मिलावटी, कैमिकल युक्त भोजन भी बहुत बडा कारण भी हो सकता है।सरकार को इन सब पर भी

दिल्ली एयरपोर्ट से आखिरकार सैन फ्रांसिस्को के लिए उड़ा एयर इंडिया का विमान, जानें किस वजह से हुआ विलंब



गुरुवार को सैन फ्रांसिस्को जाने वाली उडान में विलंब की शिकायत मिली थी। इसको लेकर डीजीसीए ने एअर इंडिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। दरअसल एअर इंडिया की उडान संख्या एआई 183 तय समय से करीब 28 घंटे के बाद शुक्रवार को जब यात्रियों को औपचारिकताएं पूरी करने को कहा गया तो उन्हें लगा कि एक बार फिर विमान से उन्हें नीचे न

उतरना पडे सैन फ्रांसिस्को जाने वाली एअर इंडिया की उड़ान आखिरकार उड़ान भरने में सफल रही। विमान शुक्रवार रात 9.57 बजे सैन फ्रांसिस्को के लिए रवाना हुआ। इससे पहले तमाम औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद यात्री विमान में सवार हुए, लेकिन पायलट ने यह कहते हुए उड़ान भरने से इनकार कर दिया कि अभी

तापमान सही नहीं है। जब तक तापमान 37 डिग्री तक नहीं आ जाता, टेकऑफ नहीं कराया जा सकता है। इसके बाद विमान एक बार फिर टर्मिनल की ओर लौट आया।

इससे पहले गुरुवार को सैन फ्रांसिस्को जाने वाली उड़ान में विलंब की शिकायत मिली थी। इसको लेकर डीजीसीए ने एअर इंडिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। दरअसल, एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 183 तय समय से करीब 28 घंटे के बाद शुक्रवार को जब यात्रियों को औपचारिकताएं पूरी करने को कहा गया तो उन्हें लगा कि एक बार फिर गुरुवार की तरह बोर्डिंग के बाद विमान से उन्हें फिर न नीचे उतरना पड़े।

यात्रियों ने बताया कि विमान का एसी

यात्रियों को हुई तमाम तरह की परेशानियों के बीच उड़ान नियामक संस्था डीजीसीए ने इस मामले में एअर इंडिया को नोटिस जारी करते हुए कहा है कि क्यों न इस लापरवाही के लिए उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। एयरलाइंस से विलंब के पीछे तकनीकी कारण को उत्तरदायी बताया गया। हालांकि यात्रियों का कहना था कि विमान का एसी खराब था।

ग्राउंड रिपोर्ट गाजीपुर: 40 वर्ष में पहली बार वोट मांगने घर-घर पहुंचीं मुख्तार अंसारी परिवार की महिलाएं, जमीन पर बैठ लोगों को समझा रहीं भाजपा से खतरे

गाजीपुर में लड़ाई माफिया मुख्तार अंसारी परिवार के ढहते रसूख और लोगों के उस विश्वास के बीच है जो कहते हैं कि अब और नहीं। मुख्तार के जीवित रहते जो लोग दबाव में जी हुजूरी करते थे और अब उसकी मौत के बाद उनका जिस तरह व्यवहार बदला है इसका अहसास भी परिवार को है। तभी तो ये महिलाएं वंचित वर्ग के परिवारों के बीच ही ज्यादा जा रही हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

गाजीपुर । उत्तर प्रदेश में गाजीपुर संसदीय क्षेत्र के सदर विधानसभा क्षेत्र का संकरा गांव, जहां दिलत बस्ती में कुछ बुजुर्ग, कुछ प्रौढ़ महिलाओं के बीच पीला सलवार सूट पहने, सिर पर पीला दुपट्टा डाले बैठी एक युवती उन्हें भाजपा सरकार की किमयां बताती और एकजुट होकर वोट करने की अपील करती दिखती है। यह युवती मौजूदा सांसद अफजाल अंसारी की बेटी नृरिया अंसारी है।

मुख्तार के गृह जिले और सर्वाधिक प्रभाव वाली इस सीट पर 40 साल के राजनीतिक इतिहास में ऐसा पहली बार है, जब उनके घर की महिलाएं परिवार के राजनीतिक वजूद या रसूख के लिए अपनी ड्योढी से बाहर निकली हैं और घर-घर जाकर वोट मांग रहीं।

गाजीपुर में लड़ाई माफिया मुख्तार अंसारी परिवार के ढहते रसूख और लोगों के उस विश्वास के बीच है, जो कहते हैं कि अब और नहीं। मुख्तार के जीवित रहते जो लोग दबाव में 'जी हुजूरी' करते थे और अब उसकी मौत के बाद उनका जिस तरह व्यवहार बदला है, इसका अहसास भी परिवार को है। तभी तो ये महिलाएं वंचित वर्ग के परिवारों के बीच ही ज्यादा जा रही हैं।

भूमिहार, ठाकुर और ब्राह्मण परिवारों के बीच उनकी उपस्थिति नगण्य है। पिता के लिए प्रचार करने पहुंचीं नूरिया वहां मौजूद महिलाओं को भाजपा की बुराई बताती हैं। नरेन्द्र मोदी सरकार की गारंटी पर सवाल उठाती हैं। पूंजीवाद, सामंतवाद की बात करती हैं।

उनके बच्चों के भविष्य की दुहाई देते हुए बताती हैं कि राहुल गांधी और अखिलेश यादव उनके लिए ही लड़ रहे हैं। वह आवास योजना पर सवाल उठाती हैं। कहती हैं कि मोदी सरकार में महंगाई बढ़ी है। उन्हें बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार के खिलाफ वोट डालना है। यहां से



सपा ने इस बार भी अफजाल अंसारी को ही टिकट दिया। वह 2019 में भी जीते थे। भाजपा ने चुनावी राजनीति में नए चेहरे स्कूल संचालक पारस नाथ राय को टिकट दिया है।

www.newsparivahan.com

सिधौना में एक दुकान में बैठे काशीनाथ यादव यह तो मानते हैं कि मुख्तार की मौत के बाद परिवार का दबदबा कम हुआ है, लेकिन माफिया शब्द पर वह कहते हैं कि यह तो देखने का अपना-अपना नजरिया है। कुछ के लिए मुख्तार मददगार रहा है तो कुछ लोग उसे माफिया बनाने में तुले रहते हैं।

वह कहते हैं कि यहां का मुस्लिम और यादव अफजाल के साथ जा सकता है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की सभाओं को लेकर टिप्पणी की कि वह कब से यादवों के नेता हो गए। सब जानते हैं कि उन्हें क्यों लाया गया है। पियरी और महमूदपुर में रामशंकर बिंद आरक्षण को लेकर चिंतित

इस बार के चुनाव के मुद्दों पर बात चली तो बोले-डबल इंजन की सरकार है। लोगों को सुविधाएं मिली हैं, लेकिन पिछड़े वर्ग में आरक्षण का अब तक का सर्वाधिक लाभ तो केवल दो-तीन जातियों को ही मिल पाता है। बाकी तीन सौ जातियों के लोग परेशान हैं। सरकार को इस पर सोचना चाहिए। गाजीपुर में शिवनारायण कुशवाहा ने बताया कि अब रात में आना-जाना आसान हुआ है और लोग सरकार के काम से खुश हैं।

गाजीपुर में हार्डवेयर की दुकान चलाने वाले वेद प्रकाश आर्य कहते हैं कि भाजपा प्रत्याशी संगठन के तो व्यक्ति हैं, लेकिन मतदाताओं से ज्यादा परिचित नहीं हैं। भाजपा का अपना जनाधार है, जो उसे लड़ाई में मजबूत बना रहा है। बसपा ने इस बार डा. उमेश कुमार सिंह को मैदान में उतारा है। उन्हें बिरादरी का कुछ समर्थन भी है, लेकिन बसपा के परंपरागत वोट पर इसका असर पड़ता दिख रहा है और वह दूसरे दलों में जा सकता है।

पारस राय सादात में लंबे समय तक विद्यालय के प्रबंधन और संचालन से जुड़े रहे तो निजी विद्यालयों के बड़े नेटवर्क का लाभ उन्हें मिल सकता है। सादात क्षेत्र जो सैदपुर और औड़िहार से लगा हुआ है, जिसमें ठाकुर समुदाय की बहुलता है। इसमें स्थानीयता का लाभ भाजपा को मिल सकता है। भाजपा का इस बार ओमप्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के साथ गठबंधन है।

इस लोस क्षेत्र में राजभर की संख्या अच्छी खासी है, जिन पर ओमप्रकाश की मजबूत पकड़ है। पिछले विस चुनाव में इसका प्रदर्शन भी वह कर चुके हैं। भाजपा के वोट में इसे भी जोड़ दिया जाए तो लड़ाई रोचक दिख रही है। यही कारण है कि मुख्तार के बिना चुनाव लड़ रहे उनके भाई अफजाल के लिए

ऐसा कौन करता है! बीएमडब्ल्यू वाले लूट ले गए ऑडी, रोका फिर लाठी लेकर गाड़ी से उतरे और कर डाला लाल-पीला



गाजियाबाद के इंदिरापुरम कोतवाली की अभय खंड चौकी क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर बीएमडब्ल्यू कार सवार बदमाशों ने मैकेनिक से ऑडी कार लूट ली। मैकेनिक के साथ उसके दो सहायक भी सवार थे। कार में 18 हजार रूपये और मोबाइल भी थे जिसे लेकर बदमाश चले गए। ऑडी कार वर्कशॉप पर सर्विस के लिए आई थी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच में जुटी है।

साहिबाबाद।इंदिरापुरम कोतवाली की अभय खंड चौकी क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर बीएमडब्ल्यू कार सवार बदमाशों ने मैकेनिक से ऑडी कार लुट ली।

मैकेनिक के साथ उसके दो सहायक भी सवार थे। कार में 18 हजार रूपये और मोबाइल भी थे। ऑडी कार वर्कशॉप पर सर्विस के लिए आई थी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच में जुटी है।

कार के पार्ट खरीदने जा रहे थे दिल्ली

नीति खंड में मोहम्मद नूरेन की कार की वर्कशाप है। उनके यहां विकास नाम के व्यक्ति की ऑडी कार सर्विस के लिए आई थी। वह कार के पार्ट खरीदने के दिल्ली जा रहे थे। उनके साथ में आमिर और इस्लाम भी थे।

जैसे ही अभयखंड से नेशनल हाईवे के चढ़ाव पर पहुंचे, तभी एक लाल बीएमडब्ल्यू कार ने ओवरटेक कर उनकी कार रोक ली। कार में से चार लोग उतरे सभी के हाथों में लाठी डंडे थे।

एक ने डाइविंग सीट के पास आकर कहा...

उनमें से एक ने ड्राइविंग सीट पर आकर कहा, मेरा नाम बिलाल अहमद है और वह कार मालिक है। इसके बाद बदमाशों ने तीनों को कार से निकालकर पीटा और फिर कार लूटकर मौके से भाग गए। उन्होंने बताया कि कार में 18 हजार रुपए और मोबाइल भी था।

उन्होंने कार मालिक विकास को जानकारी दी। जांच में सामने आया है कि आरोपित वर्कशॉप से ही उनका पीछा कर रहे थे। उन्होंने इंदिरापुरम कोतवाली पहुंचकर शिकायत दी।

. सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह का कहना है सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपितों की तलाश की जा रही है।

फरार चल रहे AAP विधायक अमानतुल्लाह खान की बढ़ीं मुश्किलों, MLA समेत तीन के खिलाफ कुर्की की तैयारी; ये है मामला

दिल्ली की ओखला सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान और उनके पुत्र समेत अन्य लोगों के खिलाफ कोतवाली फेज-वन में मुकदमा दर्ज हुआ था। फरार चल रहे आप विधायक उनके पुत्र अनस और अबु बकर के खिलाफ कुर्की की तैयारी चल रही है। कोर्ट ने कुर्की की कार्रवाई से पूर्व नोटिस जारी करने के आदेश दिए हैं।

नोएडा। नोएडा में पंप कर्मियों पर जानलेवा हमला, लूट

का प्रयास और एससी/एसटी समेत कई आरोपों में गिरफ्तारी से बच रहे दिल्ली के आप विधायक अमानतुल्लाह पर पुलिस ने शिकंजा कस दिया है।

फरार चल रहे विधायक, उनके पुत्र अनस और अबु बकर के खिलाफ कुर्की की तैयारी चल रही है। कोर्ट ने कुर्की की कार्रवार्ड से पूर्व नेटिस जारी करने के आदेश हैंग

कार्रवाई से पूर्व नोटिस जारी करने के आदेश दिए हैं। वहीं जिला कोर्ट से अंतरिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद अमानतुल्लाह ने उच्च न्यायालय का दरवाजा 7 मई की सुबह क्या-क्या हुआ

दिल्ली की ओखला सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान और उनके पुत्र समेत अन्य लोगों के खिलाफ कोतवाली फेज-वन में मुकदमा दर्ज हुआ

आरोप है कि सेक्टर-95 स्थित शहीद रामेंद्र प्रताप सिंह के फिलिंग स्टेशन पर 7 मई की सुबह विधायक का बेटा अनस अपनी कार लेकर पहुंचा। उसने लाइन में न लगकर बोला कि आगे वाली गाडी को आगे बढाकर मेरे गाडी में पहले तेल भर दो।

इस पर सेल्समैन ने कहा कि आप लाइन में हैं अभी आपकी गाड़ी में तेल भर जाएगा। इसी दौरान अनस और उसकी कार में बैठे अन्य लड़कों ने मारपीट की। इसके बाद अमानतुल्लाह खान खुद पहुंचे और मैनेजर को धमकाया।

इस घटना के वीडियो सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गए और इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो गए ।इस मामले में पुलिस ने विधायक अमानतुल्लाह खान के मैनेजर इकरार अहमद को गिरफ्तार कर लिया था। इकरार मूलरूप से जिला हापुड़ के सिंभावली का रहने वाला है। वह वर्तमान में शाहीन बाग में रहता है। 20 दिन पहले जारी किया था एनबीडब्ल्य

पुलिस ने करीब 20 दिन पहले विधायक अमानतुल्लाह खान, पुत्र अनस और अबु बकर के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। इसके अलावा दिल्ली स्थित घर समेत सभी संभावित स्थान पर दिबश दी गई। इसी बीच कोर्ट में अंतरिम जमानत की याचिका दायर की थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था।

सवा दो महीने की चुनाव यात्रा में हमने देश को प्रभावित करने वाले असल मुद्दों पर जनता की राय जानी

ीरज कुमार दु

कसभा चुनाव 2024 के लिए लगभग दो महीने तक चले प्रचार अभियान के दौरान तमाम तरह के मुद्दे उभर कर आये और देखा जाये तो हर चरण के मुद्दे अलग-अलग रहे। प्रभासाक्षी ने अपनी चुनाव यात्रा के दौरान दस ऐसे बड़े मुद्दों को पहचाना जिसका पूरे भारत में असर रहा। हमने यह भी जाना कि ऐसे कौन-से दस बड़े मुद्दे रहे जिनके इर्दिगर्द पूरा चुनाव प्रचार केंद्रित रहा। नेता चाहे किसी भी दल के रहे हों उनके भाषणों और वादों में इन मुद्दों का कहीं ना कहीं जिक्र जरूर रहा। आइये नजर डालते हैं इन मुद्दों पर-

मुफ्त रेवड़ी- मुफ्त रेवड़ियां ऐसा विषय रहा जो सभी पार्टियों के वादों में किसी ना किसी रूप से शुमार रहा। भाजपा ने मुफ्त राशन अगले पांच साल तक देते रहने का वादा किया हालांकि पार्टी का कहना है कि यह मुफ्त रेवड़ी की श्रेणी में नहीं आता। इसके अलावा विभिन्न राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों ने अपने घोषणापत्रों और जनता से किये गये वादों में तमाम चीजें मुफ्त में देने का वादा किया है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि यह पैसा कहां से आयेगा। तुलनात्मक रूप से अध्ययन करें तो यह देखने को मिलता है कि मफ्त सौगातों के वादे सबसे कम भाजपा ने ही किये हैं। इन मुफ्त सौगातों को लेकर देश की जनता भी बंटी हुई नजर आई है। अधिकांश लोगों का कहना था कि हमें मफ्तखोर बनाने की बजाय सरकार को चाहिए कि हमें आत्मनिर्भर बनाये। कई लोगों का कहना था कि मुफ्त की चीजें सबसे ज्यादा जरूरतमंद व्यक्ति को ही मिलनी चाहिए क्योंकि यह एक तरह से करदाताओं के पैसे की बर्बादी है। कुछ लोगों का कहना था कि सिर्फ शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं मुफ्त होनी चाहिए बाकी कुछ भी मुफ्त नहीं होना चाहिए। वहीं कुछ लोगों का कहना था कि मुफ्त चीजें बांटने की जगह महंगाई को कम कर देना चाहिए।

विकसित भारत- लोकसभा चुनावों के ऐलान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर देश भर में निकाली गयी विकसित भारत संकल्प यात्रा के जरिये देश का यह महत्वाकांक्षी मिशन परे भारत के कोने-कोने तक पहुँच चुका था। प्रधानमंत्री ने गत वर्ष लाल किले की प्राचीर से दिये अपने भाषण में भी विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने की बात कही थी इसलिए जनता इसको लेकर पूरी तरह जागरूक थी। जब हमने देशव्यापी यात्रा की तो पाया कि इस संकल्प के सिद्ध होने में किसी को कोई शक नहीं था बल्कि लोग इस संकल्प को सिद्ध करने के लिए अपने तमाम तरह के सुझाव देते दिखे। लोगों का कहना था कि हमने पिछले दस सालों में यह महसूस कर लिया है कि हम कुछ भी कर सकते हैं। हम 11वीं से अगर पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकते हैं, हम चंद्रमा के दक्षिणी पोल पर पहुँचने वाला पहला देश बन सकते हैं, हम महामारी के समय कुशलता के साथ उसका सामना कर सकत ह, हम महामारों के समय नेगेटिव में चली गयी विकास दर को चंद महीनों में दुनिया की सबसे तेज गति से विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बना सकते हैं तो हम विकसित भारत भी बन सकते हैं। संविधान और लोकतंत्र

को खतरा-विपक्ष ने चुनाव की शुरुआत से लेकर अंत तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जिस बात को लेकर सबसे ज्यादा हमले किये वह थे संविधान और लोकतंत्र को खतरे में बताना। विपक्ष की ओर से यह बात फैलाई गयी कि यदि भाजपा फिर से सत्ता में आ गयी और मोदी फिर से प्रधानमंत्री बन गये तो यह आखिरी चुनाव होगा और

भारत में भी रूस और उत्तर कोरिया जैसा शासन हो जायेगा। जब हमने ग्रामीण क्षेत्रों के बीच जनता का मन टटोला तो खासतौर पर पिछड़े वर्ग के लोगों ने कहा कि हमें सड़क और बिजली नहीं चाहिए पर संविधान में हमें जो अधिकार दिये गये हैं वह नहीं खत्म होने चाहिए। हमने पाया कि विपक्ष ने जो भ्रम फैलाया था कि यदि भाजपा फिर सत्ता में आई तो गरीबों और पिछड़ों के अधिकार छीन लेगी उसका निचले स्तर पर काफी असर हो रहा था। इस भ्रम को दूर करने के लिए सत्ता पक्ष की ओर से कोई प्रयास भी नहीं किये जा रहे थे जिससे भाजपा को नुकसान की संभावना हमें दिखाई दी। हालांकि इस मुद्दे को लेकर अधिकांश लोगों का कहना था कि संविधान और लोकतंत्र को कोई खत्म नहीं कर सकता और यदि किसी ने ऐसे प्रयास किये तो जनता सड़कों पर उतर आयेगी। लोगों ने कहा कि कृषि कानूनों को वापस लेने वाली मोदी सरकार जनता की ताकत जान गयी है और उसे पता है कि संसद में बहुमत के दम पर तानाशाही या मनमानी नहीं की जा सकती।

भ्रष्टाचार विरोधी अभियान- देश भर में भ्रष्टाचार विरोधी अभियानों को लेकर विपक्ष का आरोप था कि उसे परेशान किया जा रहा है और सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। विपक्ष ने इंडी-सीबीआई के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए जनता से समर्थन भी मांगा लेकिन जब हमने जनता से बात की तो सभी का यह कहना था कि यह बहुत अच्छा काम हो रहा है। जनता ने कहा कि हमने मोदी सरकार को जनादेश इसी बात का दिया था कि भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाये। लोगों ने कहा कि पहले हम नेताओं के करोड़ों रुपए के घोटालों की खबरें जब पढ़ते थे तो उसमें घोटाला की गयी रकम के शून्य गिनते रह जाते थे लेकिन अब टीवी पर दिखाई

भी देता है कि कितनी रकम पकड़ी गयी है और कैसे नोट गिनने वाली मशीनें नोट गिनते गिनते गर्म होकर बंद हो जा रही हैं। लोगों ने कहा कि यह भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई का ही नतीजा है कि काला धन कम हुआ है। लोगों ने कहा कि ईडी-सीबीआई का डर नेताओं के मन में बैठना देश के लिए अच्छा है।

परिवारवाद- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने चुनाव अभियान की शुरुआत परिवारवादी नेताओं पर प्रहार के साथ की थी जिसके बाद आरोप लगाया गया कि मोदी परिवार का महत्व क्या जानें क्योंकि उनका कोई परिवार ही नहीं है। इसके बाद भाजपा ने 'मैं हूँ मोदी का परिवार' अभियान चला दिया और देखते ही देखते राष्ट्रव्यापी मोदी का परिवार खड़ा हो गया। भाजपा नेताओं ने परिवारवाद पर जिस प्रकार हमले किये उसके चलते जनता के बीच यह बड़ा मुद्दा तो बना ही साथ ही परिवारवादी दलों के भीतर भी इसको लेकर घमासान मचा। जब भी परिवार आधारित दलों के उम्मीदवारों की सूची आई तो उसमें परिवार के कई लोगों का नाम रहने के चलते पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता नाराज होकर दूसरे दलों में चले गये। इन लोगों का कहना था काम करने के लिए जिन लोगों की सूची आती है उनमें हमारा नाम शीर्ष पर होता है लेकिन जब चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की सूची आती है तो हम उसमें नहीं होते। हमने यह भी पाया कि परिवार आधारित दलों के पारिवारिक गढ़ के रूप में विख्यात संसदीय क्षेत्रों में अब परिवार के प्रति मोह कम होता जा

महंगाई- महंगाई इस चुनाव में एक बड़े मुद्दे के रूप में उभरी। देखा जाये तो इसको लेकर भाजपा को कहीं-कहीं रक्षात्मक मुद्रा भी अपनानी पड़ी। हालांकि भाजपा को जो कोर वोट बैंक है उसको इससे ज्यादा फर्क नहीं दिखा और उसका कहना था कि जब आमदनी बढ़ी है तो महंगाई भी बढ़ी है। भाजपा समर्थकों का कहना था कि वैश्विक चुनौतियों के बीच दुनिया भर में सबसे कम महंगाई भारत में ही है। उनका कहना था कि हमारे पड़ोसी देश दिवालिया हो रहे हैं और हम तेजी से तरक्की कर रहे हैं जिसका सीधा अर्थ यही है कि मोदी सरकार की आर्थिक नीतियां बहुत अच्छी हैं। हालांकि आम जनता रोजमर्रा के सामान की बढ़ती कीमतों, शिक्षा और स्वास्थ्य पर बढ़ते खर्च, तमाम वस्तुओं पर जीएसटी की ज्यादा दरों को लेकर नाराज नजर आई और सरकार से मांग की कि उसे इस ओर ध्यान देना चाहिए। हालांकि महंगाई को लेकर कहीं ऐसा नहीं दिखा कि जनता सरकार बदलने के मूड़ में है।

बेरोजगारी-बेरोजगारी का विषय भी इस चुनाव में काफी छाया रहा। इस विषय के साथ पेपर लीक जैसी विकराल होती समस्या और कौशल की कमी जैसे मुद्दे भी जडे रहे। कांग्रेस ने 'पहली नौकरी पक्की' जैसा बडा वादा किया था लेकिन इसका कोई खास असर होता नहीं दिखा। युवाओं का कहना था कि हमें ऐसा अस्थायी अवसर नहीं बल्कि जीवन में स्थायित्व चाहिए। युवाओं का कहना था कि हमें दस हजार की नौकरी नहीं बल्कि बेहतर अवसर चाहिए। युवाओं का यह भी कहना था कि पिछले दस सालों में नौकरियों में भ्रष्टाचार कम हुआ है और अब नौकरी हासिल करने के लिए रिश्वत नहीं देनी पड़ती। युवाओं का कहना था कि सरकारी नौकरियों में भर्तियां नहीं निकल रही हैं और राजनीति के चक्कर में निजी निवेश प्रभावित हो रहा है जिससे अवसर कम हो रहे हैं। युवाओं का कहना था कि सरकार को चाहिए कि उद्योग स्थापित होने के प्रोत्साहित करे क्योंकि निजी क्षेत्र ही बेरोजगारी की समस्या दूर कर सकता है। कुछ क्षेत्रों

में हमें ऐसे युवा भी मिले जोिक स्थानीय लोगों के लिए उस क्षेत्र के उद्योगों में आरक्षण के समर्थक दिखे। युवाओं ने यह भी माना कि देश की बढ़ती आबादी भी बेरोजगारी की समस्या का एक बड़ा कारण है।

शिक्षा और स्वास्थ्य- सरकारी स्कूलों में शिक्षा का खराब स्तर, सुविधाओं की कमी, शहरी क्षेत्रों में स्कूलों में दाखिले की समस्या, निजी ट्यूशन केंद्रों की फीस पर भारी भरकम जीएसटी, ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पतालों की कमी, चिकित्सा जांच केंद्रों की कमी, सरकारी अस्पतालों में दवाइयों की कमी, बाजार की महंगी दवाएं और डॉक्टरों की कमी जैसे मुद्दे बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित करते दिखे। नई सरकार को प्राथमिकता के आधार पर इस पर ध्यान देना होगा।

हिंदुत्व- अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से देश भर में जो माहौल बना उसका फायदा भाजपा को होता दिख रहा है। मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद 'विकास और विरासत' को जिस तरह तवज्जो दी उसका काफी असर देखने को मिला है। धर्म स्थलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने का ऐसा असर हुआ है कि पर्यटन स्थलों से ज्यादा लोग धर्म स्थलों पर जाने लगे हैं। पर्यटन और आध्यात्म के समावेश ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को बड़ा बल प्रदान किया है। धर्म स्थलों तक वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनें देकर मोदी सरकार ने उस क्षेत्र का कायाकल्प कर दिया है। खासतौर पर सनातन संस्कृति के प्रति यवाओं का प्रेम ऐसा बढ़ा है जोकि देखते ही बनता है । हालांकि कुछ लोग हिंदुत्व की तमाम तरह की परिभाषा देकर या विवादित बयान देकर विवाद खड़ा करते रहते हैं लेकिन आमतौर पर हिंदू शांत ही रहता है। हालांकि एक बदलाव जरूर आया है कि अब अपने को सेकुलर दिखाने की चाहत किसी में नहीं है और सब खुलकर अपने धर्म और संस्कृति पर गर्व करते हैं।

नेतृत्व- पूरे चुनाव में यह एक ऐसा मुद्दा रहा जोकि सबसे ज्यादा प्रभाव लिये रहा । एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व है तो दूसरी ओर विपक्ष से कौन नेतृत्व करेगा यह सवाल पूरे चुनाव में बना ही रहा। प्रधानमंत्री ने अपनी रैलियों में कहा कि विपक्ष ने पांच साल में पांच प्रधानमंत्री देने की योजना बनाई है जिसका जनता के बीच काफी असर देखने को मिला। देश ने पिछले दस साल में स्पष्ट बहुमत वाली सरकार के कामकाज को देखा है और उससे पहले गठबंधन सरकार की मजबूरियों में पिसते देश को देखा है इसलिए एक बात तो स्पष्ट रही कि देश में स्पष्ट बहुमत वाली सरकार ही बनती जा रही है। कई बार ऐसा भी लगा कि विपक्ष ने प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार नहीं देकर बड़ी गलती की है क्योंकि जनता देख रही है कि एक ओर मोदी हैं और दूसरी ओर के उम्मीदवार का पता ही नहीं है। जनता का कहना था कि हम नहीं चाहते कि नई सरकार देश के लिए काम करने की बजाय प्रधानमंत्री पद की कुर्सी पाने की लड़ाई में ही फँस कर रह जाये।

प्रभासाक्षी ने अपनी चुनाव यात्रा के दौरान दस ऐसे बड़े मुद्दों को पहचाना जिसका पूरे भारत में असर रहा। हमने यह भी जाना कि ऐसे कौन-से दस बड़े मुद्दे रहे जिनके इर्दगिर्द पूरा चुनाव प्रचार केंद्रित रहा।

फुल टैंक में 1000 किलोमीटर से भी ज्यादा चलती हैं ये कार, जानिए इनकी कीमत और खासियत



परिवहन विशेष न्यूज

टोयोटा हाइराइडर हाइब्रिड का दावा है कि यह 27.93 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसमें 45 लीटर का फ्यूल टैंक है। Toyota Hyryder की तरह Maruti Suzuki Grand Vitara हाइब्रिड भी 27.93 किमी प्रति लीटर का माइलेज देने का दावा करती है। Honda City eHEV की क्लेम्ड

फ्यूल एफिशियंसी २७.13 किमी प्रति लीटर है और इसमें 40 लीटर का फ्यूल टैंक है।

www.newsparivahan.com

नईदिल्ली।लगातार बढ़ रहे पेट्रोल-डीजल के दामों के बीच नए Car Buyer चाहते हैं कि उन्हें ऐसी कार मिले जो फ्यूल एफिशिएंट हो। अपने इस लेख में हम आपके लिए ऐसी ही गाडियों की लिस्ट लेकर आए हैं। ये कारें एक बार टैंक फल करने पर 1000 KM से ज्यादा की दूरी तय कर सकती हैं।

Toyota Hyryder

Toyota Hyryder हाइब्रिड का दावा है

कि यह 27.93 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसमें 45 लीटर का फ्यूल टैंक है। इसका मतलब है कि यह एसयुवी तकनीकी रूप से एक बार पेटोल भरकर 1.257 किलोमीटर तक चल सकती है। आप इसे 11.14 लाख रुपये की शरुआती एक्स शोरूम कीमत

Maruti Suzuki Grand Vitara

पर खरीद सकते हैं।

Toyota Hyryder की तरह, Maruti Suzuki Grand Vitara हाइब्रिड भी 27.93 किमी प्रति लीटर का माइलेज देने का दावा करती है। इसलिए एक फल टैंक पर यह 1,257 किमी तक की रेंज प्रदान करती है। आप

इसे 10.87 लाख रुपये की शरुआती एक्स शोरूम कीमत पर खरीद सकते हैं।

Honda City e: HEV Honda City e:HEV की क्लेम्ड फ्यल एफिशियंसी 27.13 किमी प्रति लीटर है और इसके 40 लीटर के ईंधन टैंक का मतलब है कि ये एक बार पेट्रोल भरवाने पर 1,085 किमी तक चल सकती है। आप इसे 19.04 लाख रुपये की शुरुआती एक्स

Maruti Suzuki Invicto Toyota Innova Hycross पर

शोरूम कीमत पर खरीद सकते हैं।

आधारित Maruti Suzuki Invicto में 2.0-लीटर पेटोल हाइब्रिड इंजन है, जो 23.24 किलोमीटर प्रति लीटर (ARAI) माइलेज देती है।52-लीटर के फ्यल टैंक के साथ यह रेंज 1.208 किलोमीटर तक पहुंच जाती है। आप इसे 25.11 लाख रुपये की शरुआती एक्स शोरूम कीमत पर खरीद सकते हैं।

Toyota Innova Hycross

Toyota Innova Hycross में 21.1 किलोमीटर प्रति लीटर का दावा किया गया माइलेज मिलता है। इसका मतलब है कि ये एक बार फुल टैंक भरने के बाद 1,097 किलोमीटर तक चल सकती है। आप इसे 19.77 लाख रुपये की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत पर खरीद

हुंडई ग्रेंड 10 एनआईओएस का नया कॉर्पोरेट वैरियंट लॉन्च, जानें खूबियां और कीमत.... परिवहन विशेष न्यूज

दिया गया है। कंपनी की ओर से साउथ कोरियाई कार निर्माता Hyundai Motors की ओर से भारतीय बाजार में कई बेहतरीन Cars And कर रही है। SUVs को ऑफर किया जाता कैसे हैं फी चर्स है। Hyundai Motor हंडई ने ग्रैंड आई-10 नियोस के

Nios का नया Corporate Variant लॉन्च किया गया है। इसे किस कीमत पर और किन खुबियों के साथ लाया गया है। आईए जानते

India की ओर से हाल में ही

हैचबैक कार के तौर पर ऑफर

की जाने वाली Grand i10

नर्इदिल्ली।भारत में कई बेहतरीन कारों और एसयुवी की बिक्री करने वाली साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Hyundai Motors ने हैचबैक कार Grand i10 Nios का नया Corporate Variant लॉन्च कर दिया है। हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि इस नए वेरिएंट में कंपनी की ओर से क्या खिबयां दी गई हैं।साथ ही इसे किस की मत पर खरीदा जा सकता है।

Hyundai Grand i 10 Nios কা Corporate Variant लॉन्च

हुंडई मोटर इंडिया की ओर से भारतीय बाजार में ऑफर की जाने वाली हैचबैक कार आई-10 का नया कॉर्पोरेट वेरिएंट लॉन्च कर

इसमें कई बेहतरीन खबियों को भी दिया गया है। इस वेरिएंट के जरिए कंपनी यवाओं को लभाने की तैयारी

कॉर्पोरेट वेरिएंट में 17.14 सेमी टचस्क्रीन दिया है। इसके साथ गाड़ी में डयल टोन स्टाइल के 15 इंच व्हील्स, छह एयरबैग, 30 से ज्यादा सेफ्टी फीचर, ड्यूल टोन ग्रे इंटीरियर, ड्राइवर सीट हाइट एडजस्टमेंट, फुटवेल लाइट, फ्रंट रूम लैंप, स्टेयरिंग व्हील माउंटिड कंट्रोल, रियर एसी वेंट, पैसेंजर वेनिटी मिरर, टीपीएमएस, एबीएस, ईबीडी, एलईडी डीआरएल, टेलगेट पर कॉर्पोरेट बैजिंग को दिया गया है। इस कार में कुल सात मोनोटोन रंगों का विकल्प दिया गया है। जिसमें अमेजन ग्रे को नए रंग के तौर पर शामिल किया गया है। इसके अलावा इसमें Atlas White, Typhoon Silver, Titan Grey, Teal Blue, Fiery Red, Spark Green जैसे रंग मिलेंगे।

कितना दमदार इंजन हुंडई ने आई-10 नियोस में 1.2 लीटर Kappa पेट्रोल इंजन

दिया है। जिसके साथ पांच स्पीड मैनुअल और स्मार्ट ऑटो एएमटी टांसमिशन का विकल्प दिया गया

इंडियन मार्केट में जल्द लॉन्च होंगी ये 5 नई कार, लिस्ट में एक 4X4 SUV भी शामिल

परफॉरमेंस-बेस्ड टाटा अल्टोज रेसर आधिकारिक तौर पर भारत में 13 जून को बिक्री के लिए उपलब्ध होगी और इसमें नेक्सन की तरह 1.2 लीटर 3-सिलेंडर टर्बी पेट्रोल इंजन दिया जाएगा। निसान इंडिया जल्द ही एक्स-ट्रेल लॉन्च करने वाली है जो कि 1.5 लीटर टर्बो पेटोल इंजन द्वारा संचालित है। 5-डोर महिंद्रा थार को १५ अगस्त २०२४ को लॉन्च किया जाएगा और यह मौजूदा तीन दरवाजों वाले मॉडल से बड़ी

नर्ड दिल्ली।भारतीय ऑटो इंडस्ट्री साल 2024 खत्म होने तक कई नए मॉडलों का स्वागत करने की तैयारी कर रहा है। यहां हमने टाटा, महिंद्रा, किआ, निसान और सिट्टोएन जैसे ब्रांड्स के जल्द ही लॉन्च होने वाले पांच मॉडलों के बारे में बताया है।

Tata Altroz Racer

परफॉरमेंस-बेस्ड टाटा अल्ट्रोज रेसर आधिकारिक तौर पर भारत में 13 जून को बिक्री के लिए उपलब्ध होगी और इसमें नेक्सन की तरह 1.2 लीटर, 3-सिलेंडर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया जाएगा। ये पावरट्रेन 120 PS की शक्ति और 170 Nm का टॉर्क जनरेट करेगा। इसे रेगुलर वेरिएंट से अलग दिखने के लिए विजुअल अपडेट और कॉन्ट्रास्टिंग इंटीरियर टच मिलेंगे, जबिक फीचर लिस्ट भी ज्यादा प्रीमियम होने

Nissan X-Trail

निसान इंडिया जल्द ही एक्स-ट्रेल लॉन्च करने वाली है, जो कि 1.5 लीटर टर्बी पेट्रोल इंजन द्वारा संचालित है। इस एसयवी को वैश्विक स्तर पर 2022 के मध्य में एक बड़ा अपडेट मिला है और अक्टूबर 2022 में इसके प्रदर्शन के बाद मॉडल को स्थानीय सड़कों पर कई बार देखा गया है। इसे सीबीयू रूट के माध्यम से देश में लाया जाएगा और कम से कम शुरुआत में सीमित संख्या में बेचा जाएगा।

New Kia Carnival चौथी पीढी की कार्निवल आने वाले महीनों में



पहली बार भारत आएगी और इसे हाल ही में बिना किसी कैमोफ्लैग के देखा गया था। ये पुराने मॉडल की तलना में एक बड़ा बदलाव होगा और ये कई सीटिंग कॉन्फिगरेशन में उपलब्ध होगी।

यह इनोवा हाइक्रॉस के टॉप-स्पेक वेरिएंट के साथ कंपीट करेगी और इसमें कम्फर्ट, सुरक्षा और सुविधा से संबंधित आधुनिक सुविधाओं को शामिल करते हुए एक तकनीक से भरपूर इंटीरियर होगा।

Mahindra Thar Armada

5-डोर महिंद्रा थार को 15 अगस्त, 2024 को लॉन्च किया जाएगा और यह मौजूदा तीन दरवाजों वाले मॉडल से बड़ी होगी। इसे एक विस्तृत रेंज में बेचा जाएगा, जिसमें 1.5 लीटर डीजल, 2.2 लीटर डीजल और 2.0 लीटर पेट्रोल इंजन होगा। इस ऑफरोडर को मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसिमशन विकल्प के साथ बेचा जाएगा। इसके बाहरी हिस्से में मामूली बदलाव किए जाएंगे, लेकिन इंटीरियर में बड़े बदलाव होने की उम्मीद है। इसमें बड़ा टचस्क्रीन डिस्प्ले, डिजिटल कंसोल और बहुत कुछ शामिल है।

Citroen Basalt

कुछ महीने पहले सिट्टोन ने बेसाल्ट विजन कुप कॉन्सेप्ट का अनावरण किया और यह आने वाले महीनों में एक मिडसाइज एसयुवी कूप को जन्म देगी। यह C3 एयरक्रॉस के समान प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी और आगामी टाटा कर्व ICE को टक्कर देगी। यह C3 एयरक्रॉस की तुलना में अधिक सुविधाओं से लैस होगी और इसमें मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसिमशन विकल्पों के साथ 1.2 लीटर टर्बी पेट्रोल

डुकाटी स्ट्रीटफाइटर V4 Supreme की इंडिया में शुरू हुई बुकिंग, जल्द लॉन्चिंग की उम्मीद

Ducati Streetfighter V4 Supreme में सिर्फ कुछ कॉस्मेटिक बदलाव किए गए हैं। अब ये व्हाइट और रेड कलर में सुप्रीम लिवरी पहनती है। यहां तक कि पहिए भी अब सफेद रंग के हैं। डकाटी इसे राइडिंग मोड पावर मोड कॉर्नेरिंग ABS ट्रैक्शन कंट्रोल 5-इंच TFT स्क्रीन स्लाइड कंट्रोल व्हीली कंटोल और इंजन ब्रेक कंटोल जैसे फीचर्स के साथ पेश करती है।

नई दिल्ली I Ducati India ने Streetfighter V4 Supreme को भारतीय वेबसाइट पर लिस्ट कर दिया है। इसका मतलब है कि मोटरसाइकिल का स्पेशल एडिशन भारतीय बाजार में भी आएगा। आप इसे अधिकृत डकाटी डीलरशिप पर जाकर बुक कर सकते हैं। लिमिटेड एडिशन मोटरसाइकिल को अमेरिका के मशहर कपड़ों के ब्रांड सप्रीम के साथ मिलकर बनाया गया है। इसकी कीमत स्टैंडर्ड स्ट्रीटफाइटर V4 से ज्यादा

Ducati Streetfighter V4 Supreme में क्या खास?

इसमें सिर्फ कुछ कॉस्मेटिक बदलाव किए गए हैं। अब ये व्हाइट और रेड कलर में सप्रीम लिवरी पहनती है। लिवरी की कल्पना सुप्रीम ने की है और एल्डो डुडी ने मोटरसाइकिल पर एक खास ग्राफिक बनाया

यहां तक कि पहिए भी अब सफेद रंग के हैं और पहियों, फ्यल टैंक, फ्रंट मडगार्ड और पिलियन सीट कवर पर सुप्रीम लेटरिंग है। इतना ही नहीं, मोटरसाइकिल को एक विशेष लकड़ी के बक्से में डिलीवर किया



लिखा होगा । डकाटी स्पोर्ट ग्रिप्स का उपयोग करती है, जो मोटरसाइकिल के साथ आने वाले स्टैंडर्ड ग्रिप्स की तुलना में बेहतर पकड़ और आराम प्रदान करती है। इसमें एक विशेष टेल सेक्शन है, जिसे एक्सेसरी पैक में शामिल किट के साथ टू-सीटर में बदला जा सकता है। फिर ब्रेम्बो स्टाइलमा मोनोब्लॉक फ्रंट कैलिपर्स हैं, जिन्हें ब्रेम्बो ने विशेष रूप से डुकाटी स्ट्रीटफाइटर V4 सुप्रीम के लिए बनाया है, जिसमें लाल रंग के ब्रेम्बो लोगो पर

मोटरसाइकिल को पावर देने वाला वही 1103 सीसी डेस्मोसेडिसी V4 इंजन है, जो 13000 आरपीएम पर 206 बीएचपी की अधिकतम शक्ति और 9500 आरपीएम पर 123 एनएम का पीक टॉर्क आउटपुट देता है। यह 6-स्पीड ट्रांसिमशन से जुड़ा है, जिसमें ऑटो-ब्लिपर के साथ क्विकशिफ्टर मिलता है।

सस्पेंशन ड्यूटी ओहलिन्स NIX30 43 मिमी अपसाइड डाउन फ्रंट फोर्क्स और TTX 36 द्वारा की जा रही है पीछे मोनोशॉक

है। सस्पेंशन यूनिट इलेक्ट्रॉनिक रूप से पूरी तरह से एडजस्ट की जा सकती हैं, वे ओहलिन्स स्मार्ट EC 2.0 तकनीक का उपयोग करते हैं। ब्रेकिंग ड्यूटी सामने की तरफ ट्विन 330 मिमी डिस्क और पीछे की तरफ 245 मिमी डिस्क द्वारा की जाती है। फीचर्स

डुकाटी इसे राइडिंग मोड, पावर मोड, कॉर्निरंग ABS, ट्रैक्शन कंट्रोल, 5-इंच TFT स्क्रीन, स्लाइड कंट्रोल, व्हीली कंट्रोल और इंजन ब्रेक कंट्रोल जैसे फीचर्स के साथ पेश करती है।

टाटा मोटर्स ने बनाई ऑटो मार्केट पर राज करने की प्लानिंग ! 50 लाख नए पैसेंजर व्हीकल बेचेगी कंपनी

परिवहन विशेष न्यूज

चंद्रशेखरन ने कहा कि टाटा मोटर्स अपनी बाजार स्थिति को और मजबूत करने और इस विकास अवसर का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। चंद्रशेखरन ने कहा कि ईवी व्यवसाय कई उत्पाद लॉन्च के माध्यम से पैठ बढ़ाने बाजार विकास पर ध्यान केंद्रित करने चार्जिंग नेटवर्क बढ़ाने और आकांक्षात्मक उत्पाद सुविधाओं को पेश करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

नई दिल्ली।Tata Group के चेयरमैन N Chandrasekaran के अनुसार, अगले कुछ वर्षों में घरेलू Passenger Vehicle सेगमेंट की वार्षिक बिक्री 50 लाख के आंकड़े को पार करने की उम्मीद है और टाटा मोटर्स इस विकास अवसर का लाभ उठाने के लिए

Tata Motors का फ्यूचर प्लान

2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट में कंपनी के शेयरधारकों को दिए गए संदेश में उन्होंने कहा कि कंपनी आगे चलकर अपने कारोबार में राजस्व वृद्धि और मजबूत मुक्त नकदी प्रवाह पर ध्यान केंद्रित करेगी। चंद्रशेखरन ने कहा-

उन्होंने कहा कि भारत में वाहनों की पहुंच, प्रति 1,000 जनसंख्या पर लगभग 30 वाहन है, जो वैश्विक मानदंडों से काफी कम है और इसमें वद्धि जारी रहने की उम्मीद है।

EBITDA में भी होगा सुधार चंद्रशेखरन ने कहा कि टाटा मोटर्स अपनी बाजार स्थिति को और मजबूत करने और इस विकास अवसर का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। यात्री वाहन सेगमेंट के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि अगले चरण में व्यवसाय राजस्व वृद्धि को बढ़ावा देने, EBITDA में सुधार, मजबूत मुक्त नकदी प्रवाह, प्रौद्योगिकी और ब्रांड नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित

उन्होंने कहा कि वाहनों की बिक्री के

अलावा, व्यवसाय वाहन पार्क से जुड़े व्यवसायों जैसे स्पेयर पार्ट्स, डिजिटल और स्मार्ट मोबिलिटी समाधानों पर भी ध्यान केंद्रित करेगा, जो वाहन बिक्री व्यवसाय की अस्थिरता को कम करने में मदद करेगा।

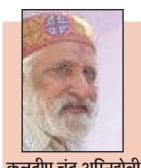
EV Segment में नंबर-1

चंद्रशेखरन ने कहा कि ईवी व्यवसाय कई उत्पाद लॉन्च के माध्यम से पैठ बढ़ाने, बाजार विकास पर ध्यान केंद्रित करने, चार्जिंग नेटवर्क बढ़ाने और आकांक्षात्मक उत्पाद सुविधाओं को पेश करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। कंपनी के पीवी व्यवसाय ने वित्त वर्ष 24 में 52,353 करोड़ रुपये के वार्षिक राजस्व के साथ अपना अब तक का सबसे अधिक कारोबार दर्ज किया, जो वित्त वर्ष 23 की तुलना में 9.4 प्रतिशत बढ़ा।

JLR को लेकर क्या कहा? जेएलआर के बारे में उन्होंने कहा कि ब्रांड प्रीमियम लक्जरी ओईएम बनने की अपनी यात्रा को दोगुना करना जारी रखेगा, मजबूत राजस्व वृद्धि प्रदान करेगा, लाभप्रदता में और सुधार करेगा, सकारात्मक मुक्त नकदी प्रवाह को बढ़ावा देगा और उत्पादों और प्रौद्योगिकियों में निवेश करना जारी रखेगा।



चीन का आक्रमण और कांग्रेस



कुलदीप चंद अग्निहोत्री

'भारत ने चीन पर हमला किया' कहने वालों में ज्योति बसु (जो बाद में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बने), नम्बूदरीपाद (जो बाद में केरल के मुख्यमंत्री बने) और पंजाब के हरकिशन सिंह सुरजीत (जो बाद में भारत पर अपनी पार्टी की सहायता से कांग्रेस की सरकार स्थापित करने में सारथी हुए) शामिल थे। इस ग्रुप ने सीपीएम के नाम से अपनी अलग पार्टी बना लीथी।



www.newsparivahan.com

और लद्दाख व अरुणाचल प्रदेश में भारत की बहुत सी जमीन पर कब्जा कर लिया था। देश की रक्षा करते हुए भारतीय सैनिकों ने अपना बलिदान दिया। यह ठीक है कि सरदार पटेल ने बहुत पहले ही प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु को बाकायदा एक चि_ी लिखकर आगाह किया था कि चीन भारत पर हमला कर सकता है। तिब्बत के उस समय के शासक दलाई लामा भी जब महात्मा बुद्ध की पच्चीस सौंवी जयंती के अवसर पर भारत आए थे, तो चीन को लेकर परोक्ष रूप से सावधान कर गए थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उस समय के सरसंघचालक माधवराव सदाशिव गोलवलकर ने भी चीन की नीयत पर शंका जाहिर की थी, लेकिन नेहरु, जो स्वयं को उन दिनों अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ मानते थे, इन सब चेतावनियों को नकारते हए 'हिंदी-चीनी भाई-भाई' का नारा लगाते रहे और चीन के नेताओं को बुलाकर स्कूलों के बच्चों के हाथ में चीन का झंडा थमा कर उनका स्वागत करते रहे। इस सबका परिणाम यह हुआ कि चीन ने 1962 में भारत पर हमला कर दिया और भारत को शिकस्त दी। सरकार ने बहुत ही होशियारी से शिकस्त की जिम्मेदारी भारतीय सेना के गले में बांधनी चाही तो जनता ने इसका विरोध किया। लोगों का कहना था कि भारत की सेना के शौर्य का प्रदर्शन तो द्वितीय विश्व युद्ध में दुनिया ने देखा था। यह सरकार की नीतियों की पराजय थी। उस समय भी चीन के इस हमले को लेकर भारत में विवाद शुरू हो गया था। उधर सीमा पर भारतीय सेना और चीनी सेना युद्धरत थी, इधर कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया में तो बाकायदा युद्ध ही छिड़ा हुआ था। कम्युनिस्ट पार्टी में यह युद्ध इस बात को लेकर हो रहा था कि हमला किसने किया? एक ग्रुप का कहना था कि चीन ने भारत पर हमला किया, लेकिन दूसरे ग्रुप का कहना था कि हमला भारत ने चीन पर किया।



'भारत ने चीन पर हमला किया' कहने

वालों में ज्योति बसु (जो बाद में पश्चिम बंगाल

के मुख्यमंत्री बने), नम्बूदरीपाद (जो बाद में

हरकिशन सिंह सुरजीत (जो बाद में भारत पर

अपनी पार्टी की सहायता से कांग्रेस की सरकार

स्थापित करने में सारथी हुए) शामिल थे। इस

ग्रुप ने सीपीएम के नाम से अपनी अलग पार्टी

बना ली थी। उधर चीन के हाथों मिली पराजय

शमूलियत और उसे वीटो पावर दिए जाने की वे

अंत तक वकालत करते रहे। उन दिनों विश्व

थी. उसमें भारत को प्रस्ताव दिया गया था कि

यदि वह चीन की पूंछ छोड़ दे, तो उसे सुरक्षा

परिषद में स्थान दिया जा सकता है। लेकिन

कांग्रेस की चीन के साथ उस समय भी क्या

सका। इसे काल की न्यारी गति ही कहना

चाहिए कि कम्युनिस्ट पार्टी के जिस ग्रुप ने

एक ग्रुप ने कहना शुरू किया 'चीन का

'भारत ने चीन पर हमला किया है' कह कर

सीपीएम गठित की थी, कालान्तर में उसके ही

चेयरमैन ही हमारा चेयरमैन' है। वे देश भर में

सीपीएम (एमएस) के नाम से अपनी नई पार्टी

बना ली। उधर कांग्रेस ने चीन के कब्जे में चली

गई जमीन को छुड़ाने की रणनीति बनाने के

स्थान पर फिर से दिल्ली में पंचशील को लेकर

बाकायदा सेमिनार करने शुरू कर दिए। उस

समय के बड़े कांग्रेस नेता और केन्द्रीय मंत्री

था कि वे चीनी भाषा चीनियों से भी बेहतर

जानते हैं, पंचशील को जिंदा करने के लिए

बीजिंग के चक्कर लगाने लगे। खैर भारत के

नटवर सिंह, जिन्हें इस बात का बहुत अभिमान

यह नारा लगाते हुए घूमने लगे और उन्होंने

सांझेदारी थी, इसे आज तक कोई नहीं समझ

की जिस प्रकार की दो ध्रुवीय राजनीति चल रही

के बाद भी नेहरु ने चीन की तरफदारी करनी

नहीं छोड़ी। संयुक्त राष्ट्र संघ में चीन की

केरल के मुख्यमंत्री बने) और पंजाब के

लोग सब जानते हैं और यह भी जानते हैं कि चीन के सत्ताधारी किस प्रकार के हैं। उन्होंने 'चीन का चेयरमैन हमारा चेयरमैन' कहने वालों को भी हाशिए पर डाल दिया।

2014 में कांग्रेस को भी हाशिए पर धकेलने की प्रक्रिया शुरू हुई। 2024 तक आते-आते कांग्रेस का पतन तीव्र से तीव्र दिखाई देने लगा। लेकिन अब अंतिम समय में कांग्रेस ने एक बार फिर चीन का मामला उठाना शुरू किया है। सब जानते हैं कि भारत के विरोध में इस समय चीन और पाकिस्तान घी-शक्कर हैं। लेकिन जब भी कहीं भारत-पाकिस्तान या फिर भारत-चीन की भिड़ंत होती है तो कांग्रेस एकदम अपने बनावटी खोल से निकल कर अपने असली रंग में दिखाई देने लगती है। आतंकवादियों के अड्डों को खत्म करने के लिए जब भारतीय सेना ने बालाकोट पर सर्जिकल स्ट्राइक की तो कांग्रेस ने एकदम से उसे गप्प करार दिया। उसने कहा, ऐसा हुआ ही नहीं, सेना सबूत दिखा दे। सेना की मुसीबत यह है कि उसे दुश्मन पर हमला कर भारत को सुरक्षित भी रखना होता है और उसके लिए कांग्रेस को सबूत भी दिखाना होता है । अब पाकिस्तान के नेता बाकायदा लिख कर प्रचार कर रहे हैं कि दिल्ली में राहुल गांधी की सरकार बननी चाहिए। क्या भारत में भी पाकिस्तान का कोई वोट बैंक है, जिसे पाकिस्तान संकेत दे रहा है ? यही मामला चीन के मामले में हुआ। जब भारतीय सेना डोकलाम और गलवान में चीन की सेना से गुत्थमगुत्था हो रही थी, तब कांग्रेस के नेता और सोनिया गांधी के सुपुत्र राहुल गांधी दिल्ली स्थित चीनी दूतावास में चीनी अधिकारियों से छिप कर गुफ्तगु कर रहे थे। मीडिया की गिद्ध दृष्टि से पकड़े गए। पहले तो उन्होंने स्पष्ट इंकार ही कर दिया, लेकिन सबूत मिलने पर बगलें झांकने लगे और इधर-उधर की बेसिर-पैर की सफाई देने लगे। लेकिन देश

के लोगों का शक गहराने लगा।

इसलिए कागज-पत्तल की भी जांच की गई तो पता चला मामला कहीं और भी गहरा है। सोनिया गांधी परिवार के एक ट्रस्ट राजीव गांधी फाऊंडेशन को चीन से पैसा भी मिलता रहा है। जैसे-जैसे चुनाव में कांग्रेस के लिए करो या मरो जैसी हालत बन रही है, वैसे-वैसे कांग्रेस चुनाव जीतने के लिए अपने तरकश का अंतिम हथियार भी इस्तेमाल कर लेना चाहती है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने 1962 में भारत पर चीन द्वारा किए गए हमले को 'अलेज्ड अटैक' करार दिया है। इसका अर्थ है कि सचमुच हमला नहीं हुआ था, बल्कि लोक मानस में ऐसा कहा जा रहा है। यानी मामला यहां तक आ पहंचा है कि चनाव में चंद सीटें जीतने के लिए कांग्रेस चीन को 1962 के हमले के मामले में भी क्लीन चिट देने के लिए तैयार हो गई है। लेकिन शायद चीन को क्लीन चिट देने की इस रणनीति को जब क्रियान्वित कर दिया गया, तो बाद में जो रपटें मिलीं, उससे लगा होगा कि यह रणनीति लाभ की बजाय नुकसान ज्यादा करती दिखाई दे रही है, तो आनन फानन में रणनीति बदली गई। कांग्रेस के एक दूसरे तथाकथित नेता जयराम रमेश ने आधी रात को घोषणा की कि 1962 में सचमुच चीन से लड़ाई हुई थी। चीन ने सचमुच हमला किया था। अब यह निर्णय कांग्रेस के सोनिया गांधी परिवार को करना है कि मणिशंकर अय्यर और जयशंकर रमेश में से कौन नेता है और कौन तथाकथित नेता है ? दुःख इस बात का है कि कांग्रेस 2024 में भी इसी बात पर उलझी हुई है कि 1962 का चीन का हमला असली था या नकली। हिमाचल प्रदेश में यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि इस हमले में बलिदान देने वाले बहुत से सैनिक इसी प्रदेश के

संपादक की कलम से

घटेगा मजदूरों का 'तापमान

तमाम सीमाएं लांघते तापमान का सरोकार सिर्फ गरम मौसम से ही नहीं है, बल्कि उसके कई मानवीय और कामगार आयाम भी हैं। राजधानी दिल्ली का पारा अभूतपूर्व रूप से 52.9 डिग्री सेल्सियस तक उछल गया और राजस्थान के कई मरुस्थली इलाकों में 55 डिग्री को भी लांघ गया, तो मौसम विभाग के सेंसर और डाटा पर संदेह और सवाल किए जाने लगे। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजीजू ने अचानक बयान दिया कि यह तापमान का अधिकृत आंकड़ा नहीं है। दिल्ली में इतना तापमान हो ही नहीं सकता, लिहाजा अब सेंसर की जांच जारी है।शायद लीपापोती वाला कोई कारण बताया जाए ! बहरहाल तापमान की डिग्री को हम एक तरफ सरका भी दें, तो बिहार के स्कूलों में 300 छात्र अचानक बेहोश क्यों हो गए?शिक्षक और पूर्व सांसद तक अचेत हो गए। सभी को अस्पताल ले जाने की नौबत क्यों आई ? अंततः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सभी स्कूल बंद करने का आदेश देना पड़ा। प्रधानमंत्री मोदी की जनसभा को कवर करता हुआ एक टीवी पत्रकार भी बेहोश हो गया। यह दीगर है कि प्रधानमंत्री ने तुरंत अपनी टीम के लोगों को उसकी मदद करने को कहा। तमतमाती गर्मी और भीषण लू का प्रभाव तो है। राजधानी दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को आदेश जारी करना पड़ा कि दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक मजदूर और अन्य कामगार निर्माण-स्थलों पर काम नहीं करेंगे। कोई भी नियोक्ता या ठेकेदार उनके मेहनताने में कटौती नहीं करेगा। निर्माण-स्थलों के आसपास शीतल पेयजल की पर्याप्त और निरंतर व्यवस्था की जानी

उपराज्यपाल का यह आदेश फिलहाल तब तक प्रभावी रहेगा, जब तक मौसम का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे न आ जाए। कामगारों का यह मुद्दा प्रत्यक्ष तौर पर देशकी अर्थव्यवस्था से जुड़ा है। भारत में कुल 58 करोड़ से अधिक कामगार हैं। इसे देश का 'श्रम बल' कह सकते हैं। उनमें से 26 करोड़ से

अधिक कामगार, भयानक गर्मी में भी, आसमान से बरसती आग में भी, काम करने को विवश हैं। विश्व बैंक सरीखे अंतरराष्ट्रीय संस्थानों की विश्लेषणात्मक रपटें हैं कि 2030 तक इन कामगारों की उत्पादकता. काम करने की क्षमता, कम हो सकती है। उनका 'तापमान' 6-10 फीसदी 'ठंडा' हो सकता है। उत्पादकता कम होगी, तो काम भी कम होगा, निर्माण-कार्य, खुदाई आदि कम होंगे, लिहाजा व्यापक संदर्भों में देश की अर्थव्यवस्था पर दुष्प्रभाव पड़ेंगे। इसके अलावा घर, परिवार, शरीर कमाई और अंततः जीवन पर गंभीर और घातक प्रभाव पड़ेंगे। महत्वपूर्ण पहलू यह है कि 50 डिग्री या उससे अधिक तापमान के लिए न तो हम मानसिक तौर पर तैयार हैं और न ही देश में आधारभूत ढांचा उपलब्ध है। बिजली का उत्पादन भी इतना नहीं है कि लोगों को पर्याप्त बिजली मुहैया कर सकें।हमारी जीवन-शैली भी ऐसी नहीं है। सरकार की नीतिगत ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है कि हम 50 डिग्री या उससे ज्यादा तापमान के हालात से लड सकें।

चिंताजनक स्थिति यह है कि भारत की स्थिति अरब देशों के मरुस्थल से भी बदतर हो गई है। हालांकि दुबई में फिलहाल तापमान 39 डिग्री सेल्सियस है। अगस्त में जब 'चरम' स्थिति होगी, तब तापमान अधिकतम ४४ डिग्री होगा। भारत में बिजली कनेक्शन तो लगभग सभी घरों तक पहुंच चुके हैं, लेकिन आज भी कुछ महानगरों को छोड़ कर 24 घंटे बिजली उपलब्ध नहीं है. क्योंकि उत्पादन ही उतना नहीं है। देश के गांवों में औसतन 1-2 घर में ही एयरकंडीशनर हैं, जबकि राजधानी दिल्ली के 12 फीसदी से कुछ ज्यादा घरों में एसी हैं। लोग पसीना-पसीना होने और तपन में मरने को विवश हैं। न तो पर्याप्त आमदनी है और न ही बिजली उपलब्ध है, तो एसी का क्या करेंगे ? कमोबेश दुबई जैसे शहर में 70 फीसदी बिजली की खपत सिर्फ एसी के लिए तय की गई है, ताकि काम प्रभावित न हों।

राय

हिमाचल के सियासी गुनाह-6

वर्तमान चुनाव के दौर में जो आवाजें आ रही हैं, वहां गुनाहों की शिनाख्त मुजरिम है। यह दीगर है कि इस बार लोकसभा की चार दिशाओं से कहीं अधिक छह उपचुनावों की समीक्षा में हम देख पाएंगे अपनी ही कसौटियां। हमने इससे पहले शांता कुमार की दो सरकारों को अल्पकालीन बनाया था, तो अब करीब डेढ़ साल की मिन्नतों में जनता के मंसूबे बताएंगे कि उसने किसके पतन की कहानी लिखी। ये चुनाव कम से कम हिमाचल में प्रदेश सरकार को ही परिभाषित करेंगे और जहां कसरवार छह उपचुनाव होंगे।आधा दर्जन विधायकों का बागी होना सिफर करेगा या पूर्व विधायक होने का सफर उन्हें जफर करेगा। यह राजनीति की प्रासंगिकता के सवाल पर छह बागी विधायकों के अस्तित्व का सवाल है, इसलिए कर्म की दहलीज से गुजर कर मुद्दे सामने आ रहे हैं। कर्म एक तरफ सरकार की हर पायदान को देख रहा है, तो दूसरी ओर विभाजक रेखा से बाहर हुए सुधीर शर्मा, राजेंद्र राणा, इंद्रदत लखनपाल, रवि ठाकुर, चैतन्य शर्मा और देवेंद्र भुट्टो की सिर-धड़ की बाजी पर खुद की पैरवी कर रहा है। कांग्रेस भीतर से बुलंद होती, तो उपचुनाव न होते। छह पूर्व विधायक बागी न होते तो उपचुनाव न होते। पार्टी आलाकमान सामथ्यवान होता तो उपचुनाव न होते और मुख्यमंत्री इनके ऊपर मेहरबान होते तो उपचुनाव न होते। अमूमन जनता उपचुनाव में जनादेश के अलावा ऐसा सब करेगी ताकि सनद

इसलिए सियासी गुनाहों के खिलाफ इन चुनावों की भाषा को समझा जाएगा। जनता की कचहरी में किसी की अपील और किसी की दलील के बीच कोई एक पक्ष अस्मिता बचा भी ले, लेकिन जनता को खद अपने प्रश्नों के उत्तर खोजने हैं। इसलिए बागियों की बगावत भी सरकार से पूछ रही है आजादी के बाद के सवाल और इसी लहजे में जवाब और दबाव सामने आ रहे हैं। प्रचार में बागियों का सरगना कौन, यह चुनाव को बताया गया । मुख्यमंत्री ने राजनीति की अमानत में लुटते प्रदेश को बताया कि विधायकों की खरीद-फरोख्त का पर्दाफाश करेंगे। सर पर सरगना होने का इल्जाम लिए सुधीर शर्मा प्रदेश का सबसे गहन विषय है। कांग्रेस के प्रचार का सबसे बड़ा इश्तिहार भी यही है कि इस महाशय ने लूटी है सरकार, मगर जनता के पास केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर की नाउम्मीद और जदरांगल की जलालत में जंगलात की तीस करोड़ की अदायगी अड़ी है। कान्वेंशन सेंटर, यूटिलिटी मॉल, दुग्ध परियोजना और पर्यटन के चबूतरे पर गुम आशाओं के किरदार की अस्मिता फंसी है। राजनीतिक गुनाह में गम के निशान लिए जनता अगर विकास को मुद्दा मानती है, तो बगावत के अर्थों में भी कुछ तो होगा, वरना मिशन लोटस के नाम सारी सरहद गुमनाम होगी। यह दीगर है कि कोई भी राजनीतिक दल और उनके नेता अपनी-अपनी स्लेट को सफाई के साथ पेश नहीं कर पाएंगे, फिर भी चुनावी तंज में मतदाता के विवेक का परीक्षण जारी है। आखिर चुनाव के विकल्प हैं भी क्या, कल के कांग्रेसी भाजपा के पटके में कांग्रेस को चुनौती दे रहे और दूसरी ओर भाजपा के नेताओं को जयमाला पहना कर कांग्रेस आरती उतार रही है। जाहिर है जब नेताओं और विचारधारा में कोई अंतर नहीं रहा, तो दिग्गज होने का संघर्ष चुनाव की बाहें मरोड़ेगा। हम जीत-हार के अंतर में भी अपनी ही अंगुलियां मरोड़ेंगे। काश ! हमारा मत इतना न्यायप्रिय होता कि राजनीतिक गुनहगार को सही से दंड दे पाता। चुनावी प्रचार हमारी आंखों में धूल झोंक कर हमारी आंखों के सामने हमारा मत छीनने के प्रयास में फिर सपने दिखा रहा है। हम इस उम्मीद में कि इस बार मियां जी नहीं, पंडित जी आ जाएंगे या हमारे तजुर्बे के मेहमान सजातीय हो जाएंगे। इस जिरह से उनका पद, उस जिरह पर इनका पद और सत्ता की तकसीम में तब पुनः किसी के मकसद को इनाम और किसी के अधिकार को दीवारों में चिनने का इंतजाम हो जाएगा।

भूपिंद्र सिंह

2019 की राष्ट्रीय स्कूली एथलेटिक्स में रोहित ने 400 मीटर के फाइनल में पहुंच कर भविष्य के पदक विजेता होने का परिचय दे दिया। हिमाचल में कुछ और एथलीट भी हैं

31 लंपिक खेलों में विभिन्न खेलों की कई स्पर्धाएं आयोजित होती हैं, मगर एथलेटिक्स का आकर्षण सबसे अधिक होता है। ओलंपिक में जो धावक सौ मीटर की दौड़ में विजेता बनता है, वह पृथ्वी का तीव्रतम इनसान बनता है। हां, यह सच भी है कि सौ मीटर की दौड़ का अपना ही रोमांच होता है। हिमाचल प्रदेश में तेज गति के बहुत कम धावक व धाविकाएं आज तक सामने आए हैं। सौ मीटर से लेकर चार सौ मीटर की स्पर्धाओं को स्परिंट यानी तेज गति की दौड़ों में रखा जाता है, मगर आजकल आठ सौ मीटर की दौड़ भी बहुत तेज दौड़ी जा रही है। इन स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए जहां जन्मजात स्पीड चाहिए होती है, वहीं पर बहुत अधिक स्पीड, इंडोरैंस व स्ट्रैंथ ट्रेनिंग की भी जरूरत होती है। जहां उच्च कोटि का प्रोटीन आम आदमी को आसानी से उपलब्ध होता है, वहीं के लोगों में अच्छी स्पीड जन्म से ही होती है। स्पीड को बहुत छोटी उम्र से ही विकसित करना पड़ता है। इसलिए स्पीड पर प्रशिक्षण दस वर्ष से भी कम आयु में शुरू करना पडता है। अगले पांच सालों में स्पीड अपने उच्च स्तर तक विकसित हो जाती है। यह भी कहा जाता है कि स्परिंटर पैदा होते हैं, बनाए नहीं जाते। भारत के अधिकतर स्परिंटर समुद्र तट से संबंध रखते हैं। मछली इन लोगों का मुख्य आहार है। मछली में अच्छी गुणवत्ता का प्रोटीन मिलता है। उत्तर भारत में शाकाहारी अधिक हैं, मगर गेहूं, दूध व उससे बने पदार्थों में भी अच्छी क्वालिटी को प्रोटीन मिलता है। यह भी कारण है कि पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश से भी समय-समय पर अच्छे स्परिंटर मिलते रहते हैं।हिमाचल प्रदेश से वरिष्ठ राष्ट्रीय

प्रतियोगिताओं में पुष्पा ठाकुर ही एकमात्र उदाहरण है जो हिमाचल प्रदेश के लिए 400 मीटर में पदक विजेता है।

एशिया व ओलंपिक खेलों के राष्टीय प्रशिक्षण शिविरों तक पहुंचने वाली इस धाविका के बाद अभी तक कोई भी पुरुष या महिला हिमाचल प्रदेश के लिए वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कोई भी एथलीट पदक नहीं जीत पाया है। पिछले सप्ताह हुए वरिष्ठ राष्ट्रीय फेडरेशन कप में हिमाचल प्रदेश के अंकेश चौधरी ने आठ सौ मीटर में स्वर्ण पदक जीता है। राष्ट्रीय स्तर पर पारस दौ सौ मीटर को 22 सैकिंड से नीचे 21.56 सैकिंड में दौडऩे वाला पहला हिमाचली हो गया है। इस उभरते एथलीट को नौकरी की बहुत जरूरत है। सरकार को इस समय सहायता करनी चाहिए, नहीं तो पलायन तय है। हिमाचल प्रदेश में पहली बार राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर के धावक अशोक ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 1994 सुंदरनगर में पहली बार हिमाचल प्रदेश की धरती पर सौ मीटर की दौड़ को 11 सैकिंड से नीचे 10.9 सैकिंड में दौड़ कर वह तीव्रतम धावक बना था। उसके साथ हमीरपुर के राजेश ठाकर ने भी 11 सैकिंड से नीचे दौड़ कर रजत पदक जीता था। 2012-13 में राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर के विद्यार्थी धावक रोहित चौहान ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में अशोक ठाकुर के रिकॉर्ड को तोडक़र 10.83 सैकिंड का नया कीर्तिमान बनाया था। वर्ष 2019 में राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला के धावक पारस ने रोहित के रिकॉर्ड को तोड़ा है। हिमाचल प्रदेश परुष वर्ग का रिकॉर्ड 10.40 सैकिंड में हमीरपुर के धावक संदीप ने हिमाचल प्रदेश मिनी ओलंपिक 2017 में बनाया है। हिमाचल प्रदेश महिला वर्ग में हमीरपुर की पुष्पा ठाकुर ने पहली बार सौ मीटर दौड़ को 12 सैकिंड से नीचे हिमाचल प्रदेश मिनी ओलंपिक 2004 मंडी में 11.96 सैकिंड में दौड़ कर नया राज्य रिकॉर्ड बनाया था।

प्रदेश के स्परिंटर राष्ट्रीय खेल पटल पर



हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय का रिकॉर्ड हमीरपुर की सोनिका शर्मा के नाम 12.23 सैकिंड अकिंत है। हमीरपुर की ही रिशु ठाकुर ने राष्ट्रीय महिला खेलों की 100 मीटर दौड़ के फाइनल में पहुंच कर चौथा स्थान प्राप्त किया

200 मीटर की दौड़ में राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर की धाविका प्रोमिला ने राष्ट्रीय महिला खेल रायपुर 2006 में 100 मीटर में रजत व 200 मीटर की दौड़ में हिमाचल के लिए कांस्य पदक जीता था। अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स बंगलूरु 2006 में 100 मीटर में चौथा तथा 200 मीटर की दौड़ को 24.93 सैकिंड में दौड़ कर रजत पदक जीता था। प्रोमिला 2010 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए लगे प्रशिक्षण शिविर में रही है। राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर की ज्योति ने अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2013 पटियाला में 400 मीटर की दौड़ में कांस्य पदक

जीता था। 2012 की राष्ट्रीय महिला खेलों में ज्योति ने 400 मीटर की दौड़ में रजत पदक जीता था। धर्मशाला साई खेल छात्रावास की धाविका रिचा शर्मा ने 2015 राष्ट्रीय महिला खेलों की 200 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता है। पिछले शिक्षा सत्र में मंडी की कुसुम ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के रिकॉर्ड में बड़ा सुधार करते हुए अंतर विश्वविद्यालय खेलों में 100 व 200 मीटर की दौड़ों में हिमाचल के लिए पदक जीते हैं। हमीरपुर की प्रिया ठाकुर ने अंतर विश्वविद्यालय खेलो इंडिया में 400 मीटर की दौड में कांस्य पदक जीता है तथा 4 गणा 400 मीटर रिले में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय टीम ने भी कांस्य पदक जीता है।

हमीरपुर की ही मनीषा भी 400 मीटर में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। 20 वर्ष आयु वर्ग में हमीरपुर के विजय कुमार शर्मा ने पहली बार 1981 में राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल प्रदेश के लिए कांस्य पदक 400 मीटर में जीता था।

मंगलसूत्र'

1985 में सोलन महाविद्यालय के अमरीश जौली ने 400 मीटर दौड़ में अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के फाइनल तक पहुंच बनाई थी। 2005 में हमीरपुर महाविद्यालय का अनिल शर्मा भी अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 200 मीटर दौड़ के फाइनल में पहुंच गया था। 2019 की राष्ट्रीय स्कूली एथलेटिक्स में रोहित ने 400 मीटर के फाइनल में पहुंच कर भविष्य के पदक विजेता होने का परिचय दे दिया। मेरठ में आयोजित नार्थ जोन एथलेटिक्स प्रतियोगिता में अंबिका राणा ने साठ मीटर की दौड़ में कांस्य पदक जीता है। यही गिनती के हिमाचली हैं जो तेज गति की दौड़ों में हिमाचल प्रदेश को थोड़ी-बहुत पहचान दिला पाए हैं। भविष्य में उभरती प्रतिभाओं से अपेक्षा है कि वे अपने-अपने प्रशिक्षकों के साथ बढिया प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाकर हिमाचल व देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरव दिलाएं।

पूरन सरमा

मंगलसूत्रका महत्त्व फिल्मों में बहुत अधिक है। खलनायक ज्यों ही नायिका के मंगलसूत्र पर हाथ मारता है, नायिका अवाक रह जाती है। व्यावहारिक जीवन में मंगलसूत्र कोई ज्यादा अहमियत नहीं रखता। ज्यादातर महिलाएं या तो मंगलसूत्र के बारे में जानती नहीं और जो इसके बारे में जानती हैं, वे इसे बनवा नहीं पाती हैं। यह एक ऐसा दिखावा बन गया है कि खाते-पीते घरों के लोग मंगलसूत्र बनवाकर विवाहित को और अधिक चरित्रवान बनाने का प्रमाणपत्र देते हैं।जो महिला मंगलसूत्र धारण करे, वह चरित्र से तो किसी भी स्थित में कमजोर हो ही नहीं सकती। चरित्र के मामले में मेरी धर्मपत्नी भी कम नहीं है, वैसे हम लोग दिन में

चार-पांच बार जब तक खूब झगड़ नहीं लेते, तब तक चैन नहीं मिलता है, परंतु मजाल क्या है कि हमारा चरित्र जरा-सा भी इधर से उधर हो जाए। मंगलसूत्रों की जो लहर चल रही थी, उसकी चपेट में पत्नी भी थी और उसकी हार्दिक तमन्ना थी कि मंगलसूत्र उसके गले में अवश्य होना चाहिए।सम्भवतः यह टीवी और फिल्मों की ही देन थी। मैंने दो दिन सोचा और पाया कि मंगलसूत्रकोई जरूरी नहीं है। इस निर्णय की घोषणा ज्यों ही मैंने की तो बावेला खड़ा हो गया। पत्नी बोली-'आप अपना स्वयं का महत्त्व भी नहीं समझते। मंगलसूत्र मुझे नहीं, आपकी महत्ता को दर्शाता है। फिर

मैंने कहा-'भाग्यवान, मुझे तो तुमने अपनी मांग में लेकर भी घर में घुसते हो। भ्रष्टाचार की कमाई से भी था। मैं बोला-'देखो, तुम्हें हमारे दाम्पत्य जीवन के मध्य यह भ्रष्टाचार नहीं लाना चाहिए।' पत्नी बोली-

इसे हमें हर कीमत पर अंगीकार करना चाहिए। सोने का बनवाऊंगी तो मिसेज झुनझुनवाला चारों खानेचित्तमिलेगी। उन्होंने चांदी का बनवाया है और

उस पर वे अक्सर पॉलिश करवाती रहती हैं, खर्चा कोई ज्यादा नहीं आएगा, थोड़ा ठीक-ठाक बनवाएंगे तो दस हजार तक बन जाएगा।' मैंने कहा-'देखो तुम्हें इन दिखावों के चक्करों में नहीं पडऩा चाहिए।तुमएक प्रगतिशील व्यक्ति की सहधर्मिणी हो।हमारी महत्ता इसी में है कि हम चलन के विरुद्ध चलें।' 'यह कैसे हो सकता है ? फैशन इस युग का चलन है और आजकल मंगलसूत्रका फैशन चल रहा है तो मैं क्यों करूं यह फैशन ? देखो यह विषय नहीं है, जिस पर इस तरह बहस करें। यह हमारे सुदृढ़ वैवाहिक जीवन का प्रतीक है, इसलिए आप कोई लम्बा हाथ मारिए और इसी माह में इसकी खरीद का पक्का मूड बना डालिए।' मैं पत्नी

के तर्कों के सामने लगभग निरुत्तर हो गया। उसने मंगलसूत्र के लिए लम्बा हाथ मारने की सलाह दी थी, अब समझ में मेरे यह नहीं आ रहा था कि लम्बा हाथ कहां और कैसे मारा जाए? दफ्तर में होने वाली खरीद में घोटाला करने की इच्छा सिर उठाने लगी। जब लोग चारा, यूरिया, चीनी और पता नहीं किस-किस हवाले में माल खाकर स्वच्छंद विचरण कर रहे हैं तो मैं यदि स्टेशनरी की खरीद में घपला कर जाऊंगा तो क्या पहाड़ गिर जाएगा ? गृहलक्ष्मी के लिए कैसे भी लक्ष्मी प्राप्त की जाए, कर लेनी चाहिए।स्त्रियों को लेकर महाभारत हो चुका है, तो क्या छोटा-मोटा महाभारत मैं मोल नहीं ले सकता?

पूरे मोहल्ले की विवाहिताएं इसे धारण कर चुकी हैं।'

सजाया हुआ है, इसलिए मंगलसूत्र की मैं आवश्यकता नहीं समझता।' 'मंगलसूत्रतो आज गरीब से गरीब घर की स्त्रीभी धारण कर रही है। आप तो दो पैसे रिश्वत के क्या आप मंगलसूत्र नहीं बनवा सकते ? 'पत्नी का तर्क 'मंगलसूत्रएक स्टेटस सिम्बल है।

मुफ्त बीमा से कैंसर के इलाज के खर्च तक, महिलाओं के स्पेशल सेविंग अकाउंट में मिलती हैं ये खास सुविधाएं

एचडीएफसी बैंक बैंक ऑफ बडौदा और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया जैसे देश के दिग्गज बैंक महिलाओं के लिए खास सेविंग अकाउंट की सुविधा देते हैं। इसमें मुफ्त बीमा किफायती ब्याज दर और मुफ्त SMS चार्ज जैसे कई फायदें मिलते हैं। यह खाता कोई भी बालिग महिला खोल सकती है। लेकिन पुरुष के साथ ज्वाइंट खाता खोलने की इजाजत नहीं। आइए जानते हैं कि इन स्पेशल सेविंग अकाउंट के सारे फायदे।

नर्इ दिल्ली। महिलाओं का घर संभालने के मामले में कोई जवाब नहीं। वे घर की हर छोटी से बडी जरूरत का बडा सलीके से ख्याल रखती हैं। वह पैसों का भी बड़े कुशल तरीके से प्रबंधन करती हैं। यही वजह है कि कई बैंकों ने कुछ स्पेशल सेविंग अकाउंट पेश किए हैं, जो खासतौर पर महिलाओं के लिए ही हैं।

HDFC विमेन सेविंग्स अकाउंट देश के प्राइवेट सेक्टर सबसे बड़े बैंक HDFC के विमेन सेविंग्स अकाउंट में खास फीचर हैं। इसमें 10 लाख रुपये का एक्सिडेंटल डेथ कवर मिलता है। साथ ही, अस्पताल में भर्ती होने पर 1 लाख



रुपये का कवर मिलता है।

www.newsparivahan.com

अगर आप इस सेविंग अकाउंट के जरिए शेयर मार्केट में निवेश करने के लिए डीमैट अकाउंट खोलती हैं, तो 1 साल का फ्री एनुअल मेंटिनेंस चार्ज (AMC) रहता है। ऑटो लोन की ब्याज दर में भी डिस्काउंट मिलता है।

बडौदा महिला शक्ति सेविंग अकाउंट पब्लिक सेक्टर के बैंक ऑफ बड़ौदा के महिला शक्ति सेविंग अकाउंट में फ्री रुपे प्लेटिनियम डेबिट

कार्ड मिलता है। साथ ही, 70 साल के लिए 2 लाख रुपये का एक्सिडेंटल इंश्योरेंस कवर दिया जाता है। साथ ही. आपको एक साल के लिए SMS अलर्ट के लिए कोई चार्ज नहीं देना होता। अगर इस सेविंग अकाउंट के जरिए महिलाएं लोन लेती हैं, तो उन्हें ब्याज पर 0.25 प्रतिशत का मिलता है।

यूनियन समृद्धि सेविंग अकाउंट यूँनियन समृद्धि सेविंग अकाउंट भी महिलाओं के लिए है। इसमें डेबिट कार्ड के साथ एयर

एक्सिडेंट का 50 लाख रुपये का बीमा मिलता है। वहीं, 5 लाख रुपये का फ्री पर्सनल एक्सिडेंट कवर मिलता है। साथ ही, ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर का पता चलने पर इलाज के लिए पांच लाख रुपये

साथ ही, बैंक महिला खाताधारक को लॉकर रेंट में पहले साल के लिए 50 प्रतिशत तक की छूट देता है। महिलाओं को SMS अलर्ट के लिए भी कोई चार्ज नहीं देना पडता।

ब्रिटेन से 100 टन गोल्ड वापस लाया आरबीआई, अभी भी विदेश में है भारत का सैकड़ों टन सोना; जानें क्या है इसकी वजह

भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्रिटेन में जमा अपने सोने को वापस मंगवा लिया है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने बताया कि आरबीआई ने ब्रिटेन से 100 टन गोल्ड वापस लिया है। वर्ष 1991 में भारत ने बढत वित्तीय संकट को टालने के लिए ब्रिटेन में सोना गिरवी रखा था लेकिन बाद में आरबीआई ने सारे कर्ज चुका दिये थे। पढ़ें पूरी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने विदेश में रखे सोने को वापस मंगवा लिया है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने बताया कि आरबीआई ने ब्रिटेन से 100 टन गोल्ड वापस मंगवाया है।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और भारत के प्रधान मंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने आज एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि भारत अब अपना अधिकांश सोना अपनी तिजोरियों में रखेगा।

विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि

आरबीआई ने बताया कि भारत के पास विशाल विदेशी मद्रा भंडार है। आरबीआई द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले कारोबारी साल तक विदेशी मुद्रा भंडार में 822.10 टन सोना था। वहीं, फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में विदेशी मुद्रा भंडार में 794.63 टन से ज्यादा का



आपको बता दें कि साल 1991 में मौजूद सरकार ने वित्तीय संकट को निपटाने के लिए गोल्ड को गिरवी रखा था। उस वक्त आरबीआई ने बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ जापान के पास 46.91 टन सोना गिरवी रखा था ताकि वह 400 मिलियन डॉलर इकट्टा कर पाए।

बैंकिंग विभाग की संपत्ति के रूप में रखे गए सोने का मूल्य 31 मार्च, 2023 तक 2,30,733.95 करोड़ रुपये से 19.06 प्रतिशत बढ़कर 31 मार्च, 2024 तक 2,74,714.27 करोड रुपये हो गया।

हर साल सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। दुनिया में सोने की मांग में बढ़ोतरी हो रही है। सोने की कीमतों में इजाफा की वजह पश्चिम एशिया में लंबे समय तक चले भू-राजनीतिक संघर्ष भी है। वहीं, आरबीआई सहित कई केंद्रीय बैंकों द्वारा गोल्ड खरीदारी और भौतिक सोने की मांग में विद्ध की वजह से भी गोल्ड की कीमतों में तेजी आई है।

वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंक सोने का भंडार बढ़ा रहे हैं, जिसे अक्सर मुद्रा की अस्थिरता और भू-राजनीतिक जोखिमों के खिलाफ बचाव के

30 दिन में पैसे डबल, इस शेयर को लोकसभा चुनाव की टेंशन नहीं

यह देश की इकलौती स्मॉलकैप कंपनी है जिसने 19 अप्रैल यानी पहले चरण का मतदान शुरू होने के बाद निवशकों के पैसे डबल किए हैं। हालांकि इस दौरान कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड भारत डायनेमिक्स लिमिटेड जैसे डिफेंस सेक्टर स्टॉक ने अभी अच्छा रिटर्न दिया है। लेकिन इस कंपनी जैसा जादू कोई नहीं दिखा पाया। आइए जानते हैं कि यह कंपनी कौन है और इसने कितना रिटर्न दिया है।

नर्इ दिल्ली। लोकसभा चनाव की शुरुआत के बाद से ही भारतीय शेयर बाजार में अस्थिरता काफी बढ़ गई थी। लार्ज कैप से लेकर मिड और स्मॉल कंपनियों तक सबके स्टॉक्स में काफी उतार चढाव दिखा। विदेशी निवेशकों ने भी अप्रैल और मई के दौरान जमकर बिकवाली की।

लेकिन, इन सबके बीच कुछ शेयरों में भारी उछाल दिखा और उन्होंने अपने निवेशकों को मालामाल किया है। ऐसा ही एक स्टॉक है. रतनइंडिया पावर लिमिटेड

(RattanIndia Power) I देश की सबसे बड़ी निजी बिजली उत्पादक कंपनियों में से रतनइंडिया ने

एक महीने में 100.54 फीसदी का रिटर्न दिया है। एक महीने पहले रतनइंडिया के शेयरों का भाव 9.20 रुपये था, जो अब 18 रुपये के पार पहुंच चुका है।पिछले पांच कारोबारी सत्रों की ही बात करें. तो इसमें करीब 16 फीसदी की तेजी आई है।

चुनाव के दौरान 100% का

रतनइंडिया इकलौती स्मॉलकैप कंपनी है, जिसने 19 अप्रैल यानी पहले चरण का मतदान शुरू होने के बाद निवशकों के पैसे डबल किए हैं। हालांकि, इस दौरान कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड , भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड जैसे डिफेंस सेक्टर स्टॉक ने अभी अच्छा रिटर्न दिया है।

शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड, जॉनसन कंट्रोल्स - हिताची एयर कंडीशनिंग इंडिया लिमिटेड, सेंचुरी एनका लिमिटेड, फिनोलेक्स केबल्स लिमिटेड और जिपटर वैगन्स लिमिटेड ने भी अच्छा रिटर्न दिया। लेकिन, रतनइंडिया पावर जैसा जाद

30 दिन में पैसे डबल, इस शेयर को लोकसभा चुनाव की टेंशन नहीं

यह देश की इकलौती रमॉलकैप कंपनी है जिसने 19 अप्रैल यानी पहले चरण का मतदान शुरू होने के बाद निवशकों के पैसे डबल किए हैं। हालांकि इस दौरान कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड भारत डायनेमिक्स लिमिटेड जैसे डिफेस सेक्टर स्टॉक ने अभी अच्छा रिटर्न दिया है। लेकिन इस कंपनी जैसा जाद कोई नहीं दिखा पाया। आइए जानते हैं कि यह कंपनी कौन है और इसने कितना रिटर्न दिया है।

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव की शुरुआत के बाद से ही भारतीय शेयर बाजार में अस्थिरता काफी बढ़ गई थी। लार्ज कैप से लेकर मिड और स्मॉल कंपनियों तक सबके स्टॉक्स में काफी उतार चढाव दिखा। विदेशी निवेशकों ने भी अप्रैल और मई के दौरान जमकर बिकवाली की।

लेकिन, इन सबके बीच कुछ शेयरों में भारी उछाल दिखा और उन्होंने अपने निवेशकों को मालामाल किया है। ऐसा ही एक स्टॉक है, रतनइंडिया पावर लिमिटेड (RattanIndia Power) |

देश की सबसे बड़ी निजी बिजली उत्पादक कंपनियों में से रतनइंडिया ने एक महीने में 100.54 फीसदी का रिटर्न दिया है। एक महीने पहले रतनइंडिया के शेयरों का भाव 9.20 रुपये था, जो अब 18 रुपये के पार पहुंच चुका है। पिछले पांच कारोबारी सत्रों की ही बात करें, तो इसमें



चुनाव के दौरान 100% का रिटर्न

रतनइंडिया इकलौती स्मॉलकैप कंपनी है, जिसने 19 अप्रैल यानी पहले चरण का मतदान शुरू होने के बाद निवशकों के पैसे डबल किए हैं। हालांकि, इस दौरान कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड , भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड जैसे डिफेंस सेक्टर स्टॉक ने अभी अच्छा रिटर्न दिया है

शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड, जॉनसन कंट्रोल्स -

हिताची एयर कंडीशनिंग इंडिया लिमिटेड, सेंचरी एनका लिमिटेड, फिनोलेक्स केबल्स लिमिटेड और जपिटर वैगन्स लिमिटेड ने भी अच्छा रिटर्न दिया। लेकिन, रतनइंडिया पावर जैसा जाद कोई नहीं दिखा पाया

क्या करती है रतनइंडिया पावर?

सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। इसकी नींव 2007 में राजीव रतन ने रखी थी। इसका फोकस कोयले से चलने वाले थर्मल पावर प्रोजेक्ट्स को चलाना और उनका रखरखाव करना है।

रतनइंडिया महाराष्ट्र के अमरावती और नासिक में स्थित अपने थर्मल पावर प्लांट से करीब 2,700 मेगावाट बिजली पैदा करती है। इनमें हरेक थर्मल पावर प्लांट की कैपेसिटी 1,350 मेगावाट है। इनसे लाखों घर रोशन होते हैं।

वित्त वर्ष २०२३-२४ में भारत की जीडीपी ग्रोथ ८% के पार, चौथी तिमाही में 7.8 फीसदी रही विकास दर

वित्तं वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में भारत के ग्रॉस डोमेरिटक प्रोडक्ट (GDP) की विकास दर 7.8 फीसदी रही। वहीं पूरे वित्त वर्ष के लिए रियल जीडीपी ग्रोथ 8.2 फीसदी रही। इन आंकडों काफी शानदार माना जा रहा है क्योंकि कई प्रतिष्ठित रेटिंग एजेंसियों का अनुमान था कि चौथी तिमाही में भारत की ग्रोथ रेट 6.7 फीसदी के करीब रहेगी।

नर्इ दिल्ली।वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में भारत के ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट (GDP) की विकास दर 7.8 फीसदी रही। वहीं, परे वित्त वर्ष के लिए रियल जीडीपी ग्रोथ 8.2 फीसदी रही। इन आंकडों काफी शानदार माना जा रहा है, क्योंकि कई प्रतिष्ठित रेटिंग एजेंसियों का अनुमान था कि चौथी तिमाही में भारत की ग्रोथ रेट 6.7 फीसदी के करीब रहेगी।



भारत की तीसरी तिमाही की विकास दर ने भी दिनयाभर के आर्थिक विशेषज्ञों को हैरान कर दिया था। यह 8.4 फीसदी की हैरतंगेज दर से बढ़ी थी, जबकि एक्सपर्ट का मानना था कि इसकी ग्रोथ रेट

7 फीसदी के करीब रहेगी। अर्थशास्त्रियों का यह भी कहना था कि भारत के लिए अपनी ग्रोथ की रफ्तार को चौथी तिमाही में जारी रख पाना मुमिकन नहीं है।

मारी गर्मी में एयर इंडिया की फ्लाइट 20 घंटे डिले, यात्री बेहाल; एविएशन मिनिस्ट्री ने एयरलाइन को भेजा कारण बताओ नोटिस

टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंडिया की दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जाने वाली फ्लाइट ने 20 घंटे की देरी के साथ उड़ान भरेगी। एयरलाइन ने बताया कि फ्लाइट में तकनीकी खराबी आने की वजह से उड़ान में देरी हुई। एयर इंडिया की फ्लाइट को गरुवार को लगभग 3.30 बजे उँडान भरनी थी लेकिन अब यह फ्लाइट शुक्रवार को 3.00 बजे उड़ान भरेगी।

नईदिल्ली। टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंडिया की दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जाने वाली फ्लाइट ने 20 घंटे की देरी के साथ उड़ान भरा है। फ्लाइट के डिले होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा । एयरलाइन ने बताया

कि फ्लाइट में तकनीकी खराबी आने की वजह से उड़ान में देरी हुई।

न्यूज एजेंसी पीटीआई ने एयरलाइन के अधिकारी का हवाला देते हुए बताया कि एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 183, जिसे बोइंग 777 विमान के साथ संचालित किया जाना था और गुरुवार को लगभग 3.30 बजे उड़ान भरनी थी। अब यह फ्लाइट शुक्रवार को 3.00 बजे उड़ान

फ्लाइट के यात्रियों ने अपनी परेशानी बताते हुए सोशल मीडिया पर शिकाय की। एक यात्री ने अपने पोस्ट में कहा कि फ्लाइट में कोई एयर कंडीशनिंग नहीं थी।

यात्री ने एक्स पोस्ट पर कहा अगर यह प्राइवेटाइजेशन है तो



फिर यह पूरे तरह से विफल है। @airindia @DGCAIndia AI 183 उड़ान में 8 घंटे से अधिक की देरी हुई है। यात्रियों को बिना एयर कंडीशनिंग के विमान में चढ़ने के लिए कहा गया था। फ्लाइट में एसी न होने की वजह से कुछ लोगों के बेहोश हो गए थे। इसके बाद यात्रियों को फ्लाइट से उतारा गया था।

यात्रियों ने दिल्ली एयरपोर्ट पर फर्श पर बैठे यात्रियों की एक तस्वीर भी पोस्ट की।

क्यों डिले हुई फ्लाइट एयरलाइन अधिकारी ने कहा कि विमान में तकनीकी समस्या आ गई थी और इंजीनियरिंग जांच की गई। फ्लाइट ने ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) पार कर लिया था। अगर फ्लाइट उड़ान भर भी लेती है तो वह सैन फ्रांसिस्को पहुंच जाती। लेकिन, फिर भी वहां यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। सैन

फ्रांसिस्को में नाइट लैंडिंग पर

प्रतिबंध है।

एयरलाइन आज 3 बजे उड़ान भरेगी।एयर इंडिया ने यात्रियों को रिफंड, होटल मानार्थ पुनर्निर्धारण और होटल आवास के ऑप्शन पेश किये हैं। फ्लाइट में हुई देरी को लेकर उड्डयन मंत्रालय ने एयर इंडिया को कारण बताओ नोटिस भेजा।

इस रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी को मिला बड़ा प्रोजेक्ट, शेयरों में दिखी हलचल; एक साल में दिया है 300 फीसदी का रिटर्न

सुजलॉन ग्रुप (Suzlon Group) को Oyster ग्रीन हाइब्रिड वन प्राइवेट लिमिटेड से 82 मेगावाट का प्रोजेक्ट मिला है। इसमें आगर (मध्य प्रदेश) में Ovster Green की साइट पर 26 विंड टरबाइन जेनरेटर्स (WTG) इंस्टॉल किए जाएंगे। सूजलॉन एनर्जी के शेयरों ने पिछले एक साल में 300 फीसदी का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। हालांकि पिछले ६ महीने से कंपनी के स्टॉक का प्रदर्शन काफी सुस्त रहा।

नईदिल्ली।सुजलॉन ग्रुप (Suzlon Group) ने शक्रवार को बताया कि उसे Oyster ग्रीन हाइब्रिड वन प्राइवेट लिमिटेड से 82 मेगावाट का प्रोजेक्ट मिला है। इसमें आगर (मध्य प्रदेश) में Oyster Green की साइट पर 26 विंड टरबाइन जेनरेटर्स (WTG) इंस्टॉल किए जाएंगे।

शेयरों पर दिखा शानदार असर

इस डील का असर सुजलॉन एनर्जी के शेयरों पर भी दिखा। निवेशकों ने सुजलॉन के शेयरों की जमकर खरीदारी की। इसके शेयर करीब साढ़े तीन फीसदी उछलकर 47 रुपये पर पहुंच गए। सुजलॉन के शेयरों ने लंबी सुस्ती के बाद पिछले 1 महीने में करीब 13 फीसदी का शानदार रिटर्न दिया है।

Oyster Green के साथ समझौते के तहत सुजलॉन विंड टरबाइन की सप्लाई

करेगी। साथ ही, निर्माण और कमीशनिंग सहित परियोजना की पूरी देखरेख भी करेगी। कंपनी कमीशनिंग के बाद व्यापक संचालन और

रखरखाव सेवाएं भी उपलब्ध कराएगी।

क्या कहा सुजलॉन ग्रुप ने? सुजलॉन ग्रुप के इंडिया बिजनेस के सीईओ विवेक श्रीवास्तव ने कहा, 'इस प्रोजेक्ट की बिजली C&I (कमर्शियल और इंडस्ट्रियल) कंज्यमूर बेस को टारगेट करेगी। इससे देश में रिन्यूएबल एनर्जी का दबदबा भी बढ़ेगा। हम इंडस्ट्री को स्थायी ग्रीन एनर्जी से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

पुणे स्थित सुजलॉन ग्रुप दुनिया में रिन्यूबएल एनर्जी सॉल्युशंस उपलब्ध कराने वाली दिग्गज

कंपनियों में से एक है। इसकी 17 देशों में 20.7 गीगावाट विंड एनर्जी कैपेसिटी इंस्टॉल है।

सुजलॉन के शेयरों का हाल सुजलॉन एनर्जी के शेयरों ने पिछले एक साल में 300 फीसदी का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। हालांकि. पिछले 6 महीने से कंपनी के स्टॉक का प्रदर्शन काफी सुस्त रहा। इस दौरान निवेशकों को सिर्फ 15 फीसदी का रिटर्न ही मिला। लेकिन, पिछले कुछ समय से सुजलॉन के शेयरों में फिर से तेजी देखी जा रही है।

सुजलॉन एनर्जी के एक साल के हाई लेवल की बात करें, तो यह 50.10 रुपये है। वहीं, कंपनी ने इस दौरान 10.65 पैसे का लो-लेवल भी टच किया है।



सरकारी नौकरी में प्रमोशन अधिकार नहीं, सविधान में तय नहीं किया कोई मानदंड :- सुप्रीम कोर्ट

परिवहन विशेष न्यूज

नर्इ दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने सरकारी नौकरी में प्रमोशन को लेकर बड़ी बात कही है। कोर्ट ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को प्रमोशन देने के मानदंडों का संविधान में कहीं भी जिक्र नहीं है। कोर्ट ने कहा कि सरकार और कार्यपालिका प्रमोशन के मानदंडों को तय करने के लिए स्वतंत्र है। मख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचड जस्टिस जे बी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने अपने फैसले में कहा, ₹भारत में कोई भी सरकारी कर्मचारी प्रमोशन को अपना अधिकार नहीं मान सकता है, क्योंकि संविधान में इसके लिए कोई मानदंड निर्धारित नहीं किया गया है।'' अदालत ने अपने फैसले में कहा कि विधायिका या कार्यपालिका रोजगार की प्रकृति और उम्मीदवार से अपेक्षित कार्यों के आधार पर प्रमोशन के पदों पर रिक्तियों को भरने की

विधि तय कर सकती है। कोर्ट ने आगे कहा कि न्यायपालिका यह तय करने के लिए समीक्षा नहीं कर सकती कि प्रमोशन के लिए अपनाई गई नीति 'सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवारों' के चयन के लिए उपयक्त है या नहीं। आपको बता दें कि गजरात में जिला न्यायाधीशों के चयन पर विवादों पर अपना फैसला सुनाते हुए पीठ ने ये बातें कही हैं। न्यायमूर्ति पारदीवाला ने फैसला लिखते हुए कहा, "हमेशा यह धारणा होती है कि लंबे समय से काम कर रहे कर्मचारियों ने संस्था के प्रति वफादारी दिखाई है और इसलिए वे अपने करियर में संस्था से भी इसी तरह के व्यवहार के हकदार हैं।" उन्होंने आगे कहा कि **पिछले कुछ** वर्षों में सुप्रीम कोर्ट ने लगातार यह फैसला सुनाया है कि जहां योग्यता और वरिष्ठता के सिद्धांत पर प्रमोशन देना तय है, वहां योग्यता पर अधिक जोर दिया



कातिल गर्मी! यूपी में 24, बिहार में 46 लोगों की गई जान; 24 घंटे में देशभर में लू से 134 से अधिक की मौत

शुक्रवार को लू व भीषण गर्मी से बिहार में 46 झारखंड में 16 ओडिशा में 44 और यूपी में 24 की जान चली गई। राजस्थान में चार की मौत के साथ आढ दिनों में मरने वालों की संख्या 64 पहुंच चुकी है। पश्चिम ओडिशा में भीषण गर्मी के कारण हालात चिंताजनक हैं। भीषण गर्मी के कारण एक दिन में 44 लोगों की जान चली गई।

नई दिल्ली।शुक्रवार को लू व भीषण गर्मी से बिहार में 46, झारखंड में 16, ओडिशा में 44 और यूपी में 24 की जान चली गई। राजस्थान में चार की मौत के साथ आठ दिनों में मरने वालों की संख्या 64 पहुंच चुकी है। पश्चिम ओडिशा में भीषण गर्मी के कारण एक दिन में 44 लोगों की जान चली गई। इनमें अकेले सुंदरगढ़ जिले में एक दिन में 20 लोगों की मौत हुई है। यूपी और बिहार में मरने वालों में क्रमशः 11 और आठ मतदान कर्मी शामिल हैं। बिहार में मौत की घटनाएं 11 जिलों में हुई हैं। सर्वाधिक मौत औरंगाबाद में हुई, जिसमें 17 लोगों ने दम तोड़ दिया। गया में सात, रोहतास में आठ, सारण में तीन, आरा, पटना व जहानाबाद में दो-दो, कैमूर, सिवान, हाजीपुर, नालंदा व मुंगेर में एक-एक की मौत हुई है।औरंगाबाद में लू से प्रभावित 350 लोगों का उपचार चल रहा है। मृतकों में चुनाव कार्य में लगे दो शिक्षक, दो अधिकारी एक जवान समेत आठ कर्मी शामिल हैं। मुंगेर में एक दारोगा की मौत हुई है। राज्य में बुधवार को 14 और गुरुवार को 65 की मौत हो गई थी।

पाकिस्तान चीन की मदद से कश्मीर पीओके क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों को कर रहा मजबूत...

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली।चीन और पाकिस्तान पीओके में एक साथ विवादित इलाके में सैन्य गतिविधि मजबूत कर रहे हैं। पिछले तीन वर्षों से चीन जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तानी सेना की रक्षा क्षमताओं को तेजी से बढ़ा रहा है। इसके तहत चीन स्टीलहेड बंकरों का निर्माण कर रहा है, साथ ही ड्रोन क्षमता को भी बढ़ा रहा है। चीन इस इलाके में पाकिस्तान को बडी सहायता मुहैया करा रहा है। एलओसी के आस-पास के क्षेत्र में एन्क्रप्टेड संचार टावरों की स्थापना और भूमिगत फाइबर केबल बिछाने का काम चल रहा है। इसके अलावा चीनी रडार सिस्टम 'जेवाई' और ' एचजीआर' को मध्यम और कम ऊंचाई वाले लक्ष्य का पता लगाने के लिए तैनात किया गया है। इनकी मदद से पाकिस्तानी सेना और

जरूरी खुफिया मदद मिल सकेगी। एलओसी पर चीनी तोप तैनात अधिकारियों ने बताया कि एलओसी पर चीनी 155 मिमी ट्रक-माउंटेड होवित्जर तोप एसएच-15 को एलओसी के साथ कई जगहों पर देखा गया है। चीन के इस कदम को पाकिस्तान के साथ संबंधों को मजबूत करने और विशेष रूप से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) से संबंधित चीनी निवेश की सुरक्षा के तौर पर देखा जा रहा है। चीनी सैनिक पीओके में बना रहे सुरंग अधिकारियों ने बताया कि अग्रिम चौकियों पर चीनी सेना के वरिष्ठ

अधिकारियों की मौजूदगी नहीं देखी गई,

वायु रक्षा इकाइयों को



लेकिन कुछ इंटरसेप्ट्स से पता चला है कि चीनी सैनिक और इंजीनियर एलओसी पर भूमिगत बंकरों का निर्माण कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चीनी विशेषज्ञ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की लीपा घाटी में सुरंग निर्माण में लगे हुए थे। इससे लग रहा था कि यह सुरंग काराकोरम राजमार्ग से जोडने के लिए सभी मौसम वाली सड़क बनाने का हिस्सा है। यह रणनीतिक कदम बीजिंग की महत्वाकांक्षी 46 अरब डॉलर की सीपीईसी परियोजना से जुड़ा है. इसका लक्ष्य चीन के अवैध कब्जे वाले क्षेत्र काराकोरम राजमार्ग के माध्यम से पाकिस्तान में ग्वादर बंदरगाह और चीन में शिनजियांग प्रांत के बीच एक सीधा मार्ग स्थापित करना है। सीमापार से भारत की बढ़ी चिंता इस क्षेत्र में

चीनी सैन्य किमियों की लगातार उपस्थिति ने भारत की चिंताएं बढ़ा दी हैं, भारत ने पहले भी गिलगित और बाल्टिस्तान में चीनी गतिविधियों पर आपित जताई है। अधिकारियों ने कहा कि तनाव बरकरार रहने के कारण भारत सतर्क है और सीमा पार से पैदा होने वाले किसी भी संभावित खतरे को विफल करने के लिए तैयार है।

अहिल्याबाई होळकर (३१ मई १७२५ - १३ अगस्त १७९५)

अहिल्याबाई होळकर (31 मई 1725 - 13 अगस्त 1795), मराठा साम्राज्य की प्रसिद्ध महारानी तथा इतिहास-प्रसिद्ध सूबेदार मल्हारराव होलकर के पुत्र खण्डेराव की धर्मपत्नी थीं। उन्होंने माहेश्वर को राजधानी बनाकर शासन

अहिल्याबाई ने अपने राज्य की सीमाओं के बाहर भारत-भर के प्रसिद्ध तीर्थों और स्थानों में मन्दिर बनवाए, घाट बँधवाए।

कुओं और बावड़ियों का निर्माण किया, मार्ग बनवाए।

ाकया, माग बनवाए। काशी विश्वनाथ में शिवलिंग को पुनः स्थापित किया।

भूखों के लिए अन्नसत्र (अन्यक्षेत्र) खोले, प्यासों के लिए प्याऊ बनाई। मन्दिरों में विद्वानों की नियुक्ति शास्त्रों के मनन-चिन्तन और प्रवचन हेतु की गयी।

स्वतन्त्र भारत में अहिल्याबाई होळकर का नाम बहुत ही सम्मान के साथ लिया जाता है। इनके बारे में अलग अलग राज्यों की पाठ्य पुस्तकों में अध्याय मौजूद हैं। चूँकि अहिल्याबाई होळकर एक ऐसी महारानी के रूप में जाना जाता है, जिन्होंनें भारत के अलग अलग राज्यों में मानवता की भलाई के लिये अनेक कार्य किये थे। इसलिये भारत सरकार तथा विभिन्न राज्यों की सरकारों ने उनकी प्रतिमाएँ बनवायी हैं।मेरठ मुजफ्फरनगर सहित काफी शहरो

मे प्रतिमाऐ लगी है। उनके नाम से कई कल्याणकारी योजनाओं को भी चलाया जा रहा है।

ऐसी ही एक योजना उत्तराखण्ड सरकार की ओर से भी चलाई जा रही है। जो अहिल्याबाई होळकर को पूर्ण सम्मान देती है। इस योजना का नाम 'अहिल्याबाई होल्कर भेड़ बकरी विकास योजना है।इन्होने माहेश्वर राज्य और मराठा क्षेत्र मे ही सामाजिक कार्य नहीं किए वरन दूर अन्य राज्यों मे जन सामान्य लोगों के हित मे पुण्य कर्म किए थे।

अहिल्याबाई होल्कर की जयन्ती पर इन महान आत्मा को शत शत नमन।



सुबह 11 बजे से 3 बजे के बीच घर से बाहर न निकलने की सलाह दी जाती: बिशेष राहत आयुक्त सत्यब्रत साहू

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड उडीशा

भुबनेश्वर: पश्चिम और आंतरिक ओडिशा के लिए विशेष सावधानी बरतने का आदेश दिया गया है। सुबह 11 बजे से 3 बजे के बीच घर से बाहर न निकलने की सलाह दी जाती है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने चुनाव के दौरान सावधानियों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अप्राकृतिक मौतों की जांच के लिए झारसुगुड़ा और सुंदरगढ़ के जिला मजिस्ट्रेट घटनास्थल पर हैं।मृतकों में ज्यादातर मजदूर और ट्रक ड्राइवर बताए जा रहे हैं। बताया गया है कि वे पीक आवर्स के दौरान निकले थे। गोलाबारी पांच दिनों तक जारी रहेगी। श्रमायुक्त को जांच के लिए कहा गया है। तािक पिक हार्बर में इंडस्टी से बाहर कोई काम

न करे। ऐसा नहीं करने पर कार्रवाई करने की बात कही गयी है। एसआरसी की जानकारी के मुताबिक अप्रैल में करीब 17 दिनों तक लू चली। मई में मौसम अच्छा था। पूरे प्रदेश में एक बार फिर लू की स्थिति पैदा हो गई है। यह पश्चिम और मध्य ओडिशा में अधिक महसूस किया जाता है। क्षेत्रीय मौसम



केंद्र भी मार्गदर्शन जारी कर रहे हैं। राज्य सरकार भी समय-समय पर जिला प्रशासन से इस पर चर्चा कर रही है। जनता को जिला प्रशासन की बात माननी चाहिए। अन्यथा कार्रवाई की जायेगी। सुंदरगढ़ और झारसुगुड़ा से ज्यादातर शिकायतें श्रिमिकों से जुड़ी हैं। शुरुआती जानकारी मिली है कि जो लोग सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक काम कर रहे हैं, उनकी जांच के आदेश कल शाम जारी कर दिए गए हैं। वही श्रम विभाग की ओर से श्रिमिकों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। परिवहन विभाग ने बस यात्रियों के लिए यह आदेश जारी किया है। जिला प्रशासन प्रचार-प्रसार एवं जन जागरू कता के लिए कदम उठाएगा। अगर लोग जरूरी काम से बाहर जा रहे हैं तो उन्हें छता, जूते, पानी की बोतल साथ रखनी चाहिए। पश्चिमी और मध्य ओडिशा में अगले 3 तारीख तक लू की स्थिति बनी रहेगी। तटीय ओडिशा में गोलीबारी होगी। इनमें से कुछ जिलों में कल चुनाव होंगे। राज्य के मुख्य निर्वाचन पद्मधिकारी द्वारा अलग से दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। विशेष राहुत आयुक्त सत्यब्रत साहू ने कहा, हम

आइए हम सब मिलकर इस तपती भयंकर गर्मी में पशु - पक्षियों की मदद करें : वरिष्ट समाजसेवी अरविन्द पुष्कर एडवोकेट

अपील – भयकंर गर्मी में पशु – पक्षियों के लिए छाया, पानी और भोजन का प्रबंध करें : वरिष्ठ समाजसेवी अरविन्द पुष्कर एडवोकेट

आगरा। ताजनगरी और उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्सों में भयंकर गर्मी का प्रकोप बरस रहा है। इस गर्मी से सिर्फ़ इंसान ही नहीं, बिल्क नन्हें नन्हें पक्षी भी परेशान हैं। हर साल गर्मी के मौसम में न जाने कितने पक्षी प्यास और हीटस्ट्रोक का शिकार हो कर जान दे देते हैं। हम यदि एक छोटी-सी कोशिश करें, थोड़ी-सी मानवता दिखाएं और अपने घर-ऑफ़िस में आने वाले पिक्षयों के लिए पानी और आश्रय का प्रबन्ध करें, तो गर्मी के कारण होने वाली पिक्षयों की मौत में काफ़ी कमी आ सकती है।

ये बात आगरा के सुप्रशिद्ध एवं लोकप्रिय वरिष्ठ समाजसेवी अरविन्द पुष्कर एडवोकेट व उनका परिवार भी ख़ूब समझता हैं। इस सन्दर्भ में उन्होंने सभी से अपील करते हुये कहा कि अभी से भयंकर गर्मी पड़ रही है। इस तपती गर्मी में जब मनुष्य का बुरा हाल है तो सोचिए बेजुबान प्राणियों का क्या हाल होगा? जिले में गर्मी बढने लगी है। नोतपा और आने वाले जेठ महीने में और अधिक गर्मी पड़ने की संभावना है। तो आइए हम सब मिलकर इस तपती भयंकर गर्मी में पशु - पिक्षयों की मदद करें और इन बेजुबान पशु - पिक्षयों के लिए छाया, पानी और भोजन का प्रबंध करें। क्योंकि इस भयंकर गर्मी में मनुष्य के साथ-साथ सभी प्राणियों को खाना पानी की आवश्यकता होती है। वैसे तो पशु - पक्षी बहुत मेहनती होते हैं और अपने लिए दाने की व्यवस्था खुद कर लेते हैं, लेकिन गिमंयों में ज़रूरी है कि उन्हें कम-से-कम उड़ना पड़े। वो जितना उड़ेंगे, उन्हें उतनी ही पानी की ज़रूरत होगी और हीटस्ट्रोक का ख़तरा भी उतना ही होगा। पानी के साथ अगर हम उनके लिए छाया और खाना भी रख देंगे, तो उन्हें ज़्यादा भटकना नहीं पड़ेगा। वहीं, मनुष्य को प्यास लगती है तो वह कहीं भी मांग कर पी लेता है, लेकिन बेजुबान पशु - पिक्षयों को प्यास में तड़पना पड़ता है, गिमंयों में कई पिरदों व पशुओं की मौत पानी की कमी के कारण हो जाती है। हालांकि जब वे प्यासे होते हैं तो घरों के सामने दरवाजे पर आकर खड़े हो जाते हैं। कुछ लोग पानी पिला देते हैं तो कुछ लोग भगा भी देते है। लोगों का थोड़ा सा प्रयास घरों के आस पास उड़ने वाले पिरदों की प्यास बझा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि गर्मी में पानी को अमृत के समान माना जाता है, इसलिए तपती गर्मी में अपने घरों के बाहर एवं छतों पर पानी के बर्तन रखें और हो सके तो छतों पर पिक्षयों के लिए छाया की व्यवस्था भी करें। घरों के बाहर पानी के बर्तन भरकर टांगें, या बड़ा बर्तन अथवा कोटना पानी भरकर रखें, जिससे मवेशी व पिरंदे पानी देखकर आकर्षित होते हैं। अगर सम्भव हो तो छत में भी पानी की व्यवस्था करें, छायादार जगह बनाकर वहां पानी के बर्तन भर कर रखें। पिक्षयों के लिए चना, चावल, ज्वार, गेंहूं आदि जो भी घर में उपलब्ध हो उस चारे की व्यवस्था छतों में करें और कम पानी वाले जल



स्रोतों को गंदा न करें, इससे पशु-पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था हो सकती है। इस गर्मी में पशु पिक्षयों की प्यास बुझाने के लिए लोगों को प्रयास करना चाहिए। आइए हम सब मिलकर इस भीषण गर्मी में मानवता दिखाएं। अपने घर की छत या घर के बाहर पशु, पिक्षयों के दाना, पानी की व्यवस्था करें। ये एक पुण्य कार्य तो है ही साथ ही इससे आपके कई दोष भी शांत होते है। इंसानियत के लिए मानव होकर यह पुनीत कार्य अवश्य करे। जितना हो सके सभी बेजुबान पशु - पिक्षयों के लिए दाना - पानी की व्यवस्था करे। बस ध्यान रखें कि परिंडा और पानी नियमित साफ हो। समय समय पर मिट्टी का बर्तन साफ करते रहे, काई न जमने दें। आप इस भयंकर व तपती गर्मी में पशु - पक्षियों के लिए रोज दाना - पानी रख कर उनकी जान बचाएं। इस नेक कार्य को करके आप भी पशु - पिक्षयों को जीवन-दान दे सकते हैं। तो आइए हम सब मिलकर इस तपती गर्मी में पशु - पिक्षयों की मदद करेंगे, जिससे कि वो अपनी चहचहाहट से हमारा वातावरण हमेशा गुलजार करते रहें। इस नेक कार्य को करके आप भी पशु पिक्षयों को जीवन-दान दे सकते हैं।

मान्यता के अनुसार इस गुफा में छिपा है कलयुग का अंत का राज और चारों धाम

माल भुवनेश्वर उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के शहर अल्मोड़ा से शेराघाट होते हुए 160 किलोमीटर की दूरी तय कर पहाड़ियों के बीच बने कस्बे गंगोलीहाट में स्थित है। पाताल भुवनेश्वर में देवदार के घने जंगलों के बीच कई सारी गुफाएं हैं। इन्हीं में से एक बड़ी गुफा में शंकर जी का मंदिर भी है। पाताल भुवनेश्वर की मान्यताओं के मुताबिक, इसकी खोज आदि जगत गुरु शंकराचार्य ने की थी। भगवान शंकर ने पांडवों के साथ खेला था चौपड़ पुराणों में लिखा है कि त्रेता युग में

है। पाताल भुवनेश्वर की मान्यताओं के मुताबिक, इसकी खोज आदि जगत गुरु शंकराचार्य ने की थी। भगवान शंकर ने पांडवों के साथ खेला था चौपड़ पुराणों में लिखा है कि त्रेता युग में सबसे पहले इस गुफा को राजा ऋगुपूर्ण ने देखा था, द्वापर युग में पांडवों ने यहां शंकर भगवान के साथ चौपाड़ खेला था और कलयुग में जगत गुरु शंकराचार्य का 722 ई. के आसपास इस गुफा से साक्षात्कार हुआ तो उन्होंने यहां तांबे का एक शिवलिंग स्थापित किया। बाद में कुछ

राजाओं ने इस गुफा की खोज की थी। आज के समय में पाताल भुवानेश्वर गुफा आने वाले सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र है। देश-विदेश से कई सैलानी इस प्राचीन गुफा और यहां स्थित मंदिर के दर्शन करने के लिए आते रहते हैं। इसी गुफा में है गणेश भगवान का कटा हुआ सिर हिंदू धर्म में भगवान गणेशजी को प्रथम पूज्य माना गया है। गणेशजी के जन्म के बारे में कई कथाएं प्रचलित हैं। कहा जाता है कि एक बार भगवान शिव ने क्रोध में गणेशजी का सिर धड़ से अलग कर दिया था, बाद में माता पार्वतीजी के कहने पर भगवान गणेश को हाथी का मस्तक लगाया गया था लेकिन जो मस्तक शरीर से अलग हुआ मान्यता है कि वह मस्तक भगवान शिवजी ने पाताल भुवनेश्वर गुफा में रख दिया था। कलयुग का अंत बताता है यह पत्थर इस गुफाओं में चारों युगों के प्रतीक रूप में 4

पत्थर स्थापित है। इनमें से एक पत्थर जिसे कलयुग का प्रतीक माना जाता है, वह धीरे-धीरे ऊपर उठ रहा है। यह माना जाता है कि जिस दिन यह कलयुग का प्रतीक पत्थर दीवार से टकरा जाएगा, उस दिन कलयुग का अंत हो जाएगा। होते हैं इन धामों के दर्शन इस गुफा के अंदर केदारनाथ, बद्रीनाथ और अमरनाथ के दर्शन होते हैं। बद्रीनाथ में बद्री पंचायत की शिलारूप मूर्तियां हैं। जिनमें यम-कुबेर, वरुण, लक्ष्मी, गणेश तथा गरूड़ शामिल हैं। तक्षक नाग की आकृति भी बनी चट्टान में नजर आती है। इस पंचायत के ऊपर बाबा अमरनाथ की गुफा है तथा पत्थर की बड़ी- बड़ी जटाएं फैली हुई हैं। इसी गुफा में कालभैरव जीभ के दर्शन होते हैं। धार्मिक मान्यता है कि मनुष्य कालभैरव के मुंह से गर्भ में प्रवेश कर पूंछ तक पहुंच जाए तो उसे मोक्ष प्राप्ति होती है।



स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी .आर .बी . एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No:- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023